mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-21 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
21 जनवरी 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

सलामी बल्लेबाजों की ...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले चीन का दांव

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के उपराष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे हैं। चीनी नेता ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले अमेरिका के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और एलन मस्क समेत अमेरिकी उद्योगपतियों से वाशिंगटन में मुलाकात की है। अमेरिका और चीन व्यापार, प्रौद्योगिकी समेत अन्य मुद्दों को लेकर जारी तनाव को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। ट्रंप की सत्ता हस्तांतरण टीम के अनुसार

शपथ ग्रहण समारोह के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दूत के तौर पर वाशिंगटन पहुंचे हान जेंग ने वेंस के साथ 'फेटेनल', व्यापार संतुलन और क्षेत्रीय स्थिरता समेत कई विषयों पर चर्चा की। वेंस के साथ हुई मुलाकात के बारे में सोमवार को चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, हान ने ''कुछ असहमतियों और तनावों'' के बावजूद अमेरिका और चीन के आर्थिक व व्यापारिक संबंधों में ''व्यापक साझा हितों और सहयोग की गुंजाइश'' पर जोर दिया। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार, हान ने मस्क और अन्य शीर्ष अमेरिकी उद्योगपतियों से भी मुलाकात की, जिनमें वाशिंगटन डीसी में यूएस-चाइना बिजनेस काउंसिल और यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधि भी शामिल थे। शंघाई में एक फैक्टरी संचालित करने वाली मस्क की कंपनी टेस्ला ने बैठक के बाद 'एक्स' पर पोस्ट किया कि उन्होंने लंबे समय से टिकटॉक प्रतिबंध का विरोध किया है ''क्योंकि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाफ है।''

हमास ने इजरायल की 3 महिला बंधकों को रिहा किया

गाजा (एजेंसी)। गाजा में युद्धविराम के बाद हमास ने इजरायल की 3 महिला बंधकों को रिहा कर दिया है। इजरायली सेना ने तीनों महिलाओं की रिहाई की पुष्टि की है। गाजा युद्धविराम समझौते के तहत हमास ने इन तीनों इजरायली बंधकों को रविवार को रेड क्रॉस को सौंप दिया। इजरायल और

हमास के बीच युद्धविराम के कुछ घंटों बाद बंधकों को रिहा किया। ये तीनों बंधक महिलाएं इजरायल पहुंच गई हैं। इजरायल डिफेंस फोर्स ने बंधकों के वापस इजरायल पहुंचने की पुष्टि की है। बंधकों की माताएं उनसे मिलने का इंतजार कर रही थीं। इससे पहले कतर से संचालित मीडिया संस्थान 'अल जजीरा' के फुटेज में रिहा किए गए बंधकों को ले जाते हुए देखा गया। उनके चारों तरफ बड़ी भीड़ थी, जिनमें से कई लोगों ने अपने फोन पकड़ रखे थे और वीडियो बना रहे थे। वाहनों के साथ हथियारबंद लोग थे, जिन्होंने हरे रंग की हमास की हेडबैंड पहन रखी थी और वे हजारों की संख्या में पहुंची अनियंत्रित भीड़ से कारों की रक्षा करने के लिए मशक्कत कर रहे थे। तीनो को मेडिकल जांच के लिए ले जाया जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रिहा किए गए बंधकों के बारे में कहा, ''ऐसा लगता है कि उन लोगों का स्वास्थ्य ठीक है।'' इस बीच, तेल अवीव में बड़ी स्क्रीन पर समाचार देखने के लिए एकत्र हुए हजारों लोग खुशी से झूम उठे। आगामी कई हफ्तों में दर्जनों बंधकों की क्रमिक रिहाई पर सहमति बनी है।

सैफ अली खान पर हुए हमले के बाद अलर्ट हुई मंत्री पंकजा मुंडे, कहा- 'खुद अपने रूम लॉक करके सोएं'

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर उनके घर में चाकू से हुए हमले का मुद्दा देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मुद्दे पर महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि सैफ अली खान पर हुए हमले के बाद लोगों पर काफी ज्यादा साइकोलॉजिकल इंपैक्ट पड़ा है। वह खुद अपने घर पर रूम लॉक करके नहीं सोई थीं। इस घटना के बाद अब लग रहा है कि खुद अपने रूम लॉक करके सोएं। मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा, सैफ पर हुए हमले से लोगों पर काफी ज्यादा साइकोलॉजिकल इंपैक्ट हुआ है। एक बड़े स्टार पर हमला हुआ है। यह बात बहुत अंतरमुखी है।

हम सोचते हैं कि जिस एरिया में हम रहते हैं, वह एरिया सुरक्षित है, वो बिल्डिंग सुरक्षित है। उसका परिणाम हुआ है कि हम भी अपने घर में लॉक नहीं करते थे, रूम लॉक नहीं करते, लेकिन अब लगता है कि अपने रूम को भी लॉक करके सोएं। यह स्थिति अब लगती है। पंकजा ने कहा कि सैफ मामले की जांच होनी चाहिए। आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा होनी चाहिए। पुलिस की जांच में इंटरफेयर करना उचित नहीं है और उस पर टिप्पणी करना उचित नहीं है।

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

मानहानि के मुकदमे पर लगी रोक, अमित शाह से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता नवीन झा ने अमित शाह के खिलाफ कथित टिप्पणी के लिए 2019 में राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

बता दें कि झारखंड में चल रहे मानहानि के मुकदमे को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने रांची की निचली अदालत में चल रहे मानहानि के मुकदमे पर रोक लगा दी है। राहुल गांधी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार और शिकायतकर्ता नवीन झा को नोटिस जारी किया है।

वहीं राहुल गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि अगर आप प्रभावित

पक्ष नहीं हैं, तो आप मुकदमा दाखिल नहीं कर सकते। ये सुप्रीम कोर्ट ने अपने कई फैसलों में कहा है। बता दें कि राहुल गांधी ने 2019 में तत्कालीन बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह को लेकर एक बयान दिया था, जिस वजह से उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसी मुकदमे पर रोक लगाने के लिए राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

क्या है पूरा मामला: दरअसल, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले चाईबासा में अपने एक भाषण के दौरान राहुल गांधी ने कथित तौर पर अमित शाह के लिए 'हत्यारा' शब्द का इस्तेमाल किया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने राहुल गांधी की अपील पर झारखंड सरकार और भाजपा नेता को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। राहुल गांधी ने झारखंड हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने निचली अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ जारी कार्यवाही को रद्द करने का अनुरोध करने वाली उनकी याचिका खारिज कर दिया था।

गोरखपुर में सीएम योगी ने की समीक्षा बैठक

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर में

समीक्षा बैठक की। जिले के अधिकारियों संग हुई इस बैठक में सीएम योगी ने जनशक्ति बढ़ाकर और जवाबदेही सुनिश्चित करके विकास परियोजनाओं में तेजी लाने पर जोर दिया। गोरखपुर में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान सीएम योगी ने गोरखपुर विकास प्राधिकरण , नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जल निगम और गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण सहित प्रमुख विभागों में परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया। सीएम योगी ने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं को समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रगति की निगरानी और जिला मजिस्ट्रेट को साप्ताहिक अपडेट के लिए प्रत्येक को एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया।

मेट्रोमोनियल साइट के जरिए 30 महिलाओं को फंसाया

1 करोड़ तक की धोखाधड़ी, शॉर्ट फिल्म बनाता था आरोपी

ठाणे (एजेंसी)। जिले की मुंब्रा पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी हिंदी और भोजपुरी फिल्में भी बनाने का काम करता था। सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। इसे फर्जी कॉल सेंटर चलाने और महिलाओं को धोखा देने के लिए मेट्रोमोनियल साइट पर फर्जी वैवाहिक प्रोफाइल बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अब तक 30 महिलाएं इसकी शिकार हो चुकी हैं, जिनसे अनुमानित तौर पर ?1 करोड़ रुपए की ठगी की गई है। इसके अतिरिक्त, एक चैटिंग वेबसाइट के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 9 लैपटॉप और राउटर को मुंब्रा पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने जब्त कर लिया है।

दरअसल, मुंब्रा पुलिस ने कुछ दिन पहले मेट्रोमोनियल साइट के माध्यम से महिलाओं को फसाने वाले एक आरोपी को भोपाल से गिरफ्तार किया था। उसने महिला के साथ 13 लाख 68 हजार के करीब की धोखाधड़ी की थी। आरोपी ने महिला को शादी का झांसा भी दिया था। हालांकि गिरफ्तार के बाद पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उसने मामले का पर्दाफाश किया। इसके बाद पुलिस ने दबिश देकर दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। दूसरा आरोपी हिंदी और भोजपुरी में शॉर्ट वीडियोज बनाता था। इसके अलावा

यह भी महिलाओं को फंसाकर उनके साथ धोखाधड़ी करता था।

ठाणे पुलिस उपायुक्त सुभाष बूरसे ने बताया कि मुंब्रा पुलिस स्टेशन के साइबर सेल के अधिकारी प्रवीण सुरवाड़े और उनकी टीम लगातार इस मामले की जांच में जुटी थी। ये लोग महिलाओं को शादी का झांसा देकर ऑनलाइन फसाते थे। इस दौरान एक आरोपी को भोपाल से गिरफ्तार करने के बाद उसने अपने मुख्य सूत्रधार एजाज अहमद इम्तियाज (32) के बारे में जानकारी दी। दूसरे आरोपी को उत्तर प्रदेश के लखनऊ से गिरफ्तार किया गया। एजाज अहमद इम्तियाज हिंदी और भोजपुरी में शॉर्ट वीडियोज बनाता था। लखनऊ में 1200 स्कॉयर फिट में फैले कमरे में उसने एक वेबसाइट के जरिए अश्लील वीडियो और चैट्स का प्लेटफॉर्म तैयार किया था।

निकिता सिंघानिया के पास ही रहेगा बेटा

अतुल सुभाष की मां को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

मुंबई (एजेंसी)। पत्नी के कथित उत्पीड़न के कारण अपनी जान देने वाले बेंगलुरु के टेक इंजीनियर अतुल सुभाष की मां को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने अतुल सुभाष की मां की मांग ठुकरा दी और कहा कि उनका 4 वर्षीय बेटा अपनी मां निकिता सिंघानिया के पास ही रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने अतुल सुभाष की मां को बच्चे की कस्टडी की मांग के लिए निचली अदालत जाने की छूट दी है।

निकिता के साथ सुरक्षित नहीं है बच्चा- अतुल सुभाष की मां: बता दें कि अतुल की मां अंजू देवी ने अपने 4 साल के पोते को खुद को सौंपने की मांग की थी। याचिका में अतुल सुभाष की मां ने कहा था कि निकिता और उसके परिवार ने अतुल को झूठे केस में फंसाकर पैसे के लिए परेशान किया। इसके चलते उसे सुसाइड करना पड़ा। अब निकिता सिंघानिया का परिवार बच्चे को खोजने में बाधा डाल रहा है। उसके साथ अतुल का बेटा सुरक्षित नहीं है।

कोर्ट ने बेटे को वीसी के जरिये पेश करने का दिया था निर्देश: इससे पहले

अतुल सुभाष की पत्नी को कोर्ट ने निर्देश दिया था कि वह अपने नाबालिग बेटे को आंधे घंटे के अंदर कोर्ट में पेश करें। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने अतुल की अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया की ओर से पेश वकील से कहा था कि वह वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बच्चे को पेश करें। यह दूसरी बार है जब कोर्ट ने बच्चे को देखने की मांग की थी। 34 वर्षीय अतुल सुभाष का शव पिछले साल 9 दिसंबर को बेंगलुरु के मुन्नेकोलालु में अपने घर में फंदे से लटका मिला था। अतुल ने अपनी पत्नी और ससुराल वालों को आत्महत्या के लिए मजबूर करने का दोषी ठहराया था। अतुल ने सुसाइड से पहले 90 मिनट का एक वीडियो बनाया और 40 पन्नों का एक सुसाइड नोट लिखकर अपने दुख को बयां किया था। अतुल सुभाष और निकिता की शादी 2019 में हुई थी। दोनों को 2020 में एक बेटा भी हुआ। अतुल सुभाष बिहार का रहने वाला था जबकि निकिता यूपी के जौनपुर जिले की रहने वाली है।

'ऐसे सभी लोगों के चुनाव लड़ने पर रोक होनी चाहिए'

दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन की याचिका पर बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली दंगों के मुख्य आरोपी और दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में एआईएमआईएम उम्मीदवार ताहिर हुसैन की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई एक दिन के लिए टाल दी गई है। सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर मंगलवार (21 जनवरी) को सुनवाई करेगा। ताहिर हुसैन पहले आम आदमी पार्टी का हिस्सा था, लेकिन दिल्ली दंगों में नाम आने के बाद 2020 में उसे पार्टी से निकाल दिया गया था। अब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने मुस्तफाबाद सीट से टिकट दिया है।

ताहिर हुसैन पुलिस की हिरासत में ही जिला चुनाव अधिकारी के पास नामांकन करने गया था। उसका नामांकन स्वीकार होने के बाद उसने चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत की मांग की है। हालांकि, सोमवार को समय की कमी के चलते उसकी याचिका पर सुनवाई नहीं हो पाई। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और

न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने समय की कमी के कारण सुनवाई स्थगित कर दी, लेकिन जैसे ही पीठ उठने लगी, हुसैन के वकील ने मामले का उल्लेख किया और 21 जनवरी को सुनवाई का अनुरोध किया।

कोर्ट का बयान: बेंच के उठते समय जस्टिस पंकज मित्तल ने कहा कि आजकल जेल में रहकर चुनाव लड़ना आसान हो गया है। ऐसे सभी लोगों के चुनाव लड़ने पर रोक होनी चाहिए। इस पर ताहिर के वकील ने कहा कि चुनाव लड़ने के लिए उनका नामांकन पहले ही स्वीकार किया जा चुका है। अभी चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम कल सुनवाई करेंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 14 जनवरी को हुसैन को एआईएमआईएम के टिकट पर मुस्तफाबाद निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए हिरासत में पैरोल प्रदान की थी।

दिल्ली हिंसा में मारे गए थे 53 लोग: दिल्ली हाई कोर्ट ने चुनाव लड़ने के लिए 14 जनवरी से नौ फरवरी तक अंतरिम जमानत की याचिका को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि हिंसा में मुख्य आरोपी होने की वजह से हुसैन के खिलाफ आरोपों की गंभीरता की अनदेखी नहीं की जा सकती, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की मौत हो गई। उच्च न्यायालय ने कहा था कि दंगों के सिलसिले में उसके खिलाफ लगभग 11 प्राथमिकी दर्ज की गई थीं और वह संबंधित धन शोधन मामले और यूएपीए मामले में हिरासत में हैं। फरवरी, 2020 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें 53 लोग मारे गए और कई घायल हो गए।

कुत्ते की तेरहवीं पर लोगों ने किया भोजन, मालिक ने मुंडन करवाकर निभाई परंपरा

राजगढ़ (एजेंसी)। राजगढ़ जिले के सारंगपुर के सुल्तानिया गांव में एक पालतू कुत्ते की मौत के बाद उसके मालिक ने जो किया, वह पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। पालतू जानवर के प्रति प्रेम और समर्पण की यह घटना इंसानी रिश्तों से भी गहरी नजर आई। युवक ने अपने कुत्ते की बीमार होने पर भोपाल तक ले जाकर उसका इलाज कराया और मृत्यु के बाद विधिवत अंतिम संस्कार से लेकर तेरहवीं तक की पूरी

प्रक्रिया संपन्न की। सारंगपुर के सुल्तानिया गांव में जीवन नागर का पालतू कुत्ता बीमार हुआ तो पहले सारंगपुर और फिर इलाज के लिए कार से भोपाल लेकर गए जहां पशु चिकित्सालय में इलाज कराया। इलाज के दौरान कुत्ते की मौत हो गई जिसके उसे गांव में लाकर दफनाया गया और उज्जैन में शिप्रा किनारे दशाकर्म किया गया। वहीं, सोमवार को विधिवत तेरहवीं करवाई गई जिसके मृत्युभोज में करीब 1000 लोगों ने भोजन किया। जीवन नागर ने जर्मन शेफर्ड प्रजाति का यह कुत्ता साल 2018 में भोपाल से खरीदा था। बीते 10 जनवरी को ठंड के कारण बीमार हुआ था। जीवन नागर ने बताया कि उनका पालतू कुत्ता कुछ दिनों से बीमार था। उसकी देखभाल के लिए युवक ने हर संभव प्रयास किया। जब स्थानीय स्तर पर इलाज से कुत्ते की तबीयत में सुधार नहीं हुआ, तो उसने कार में कुत्ते को भोपाल ले जाकर वहां के पशु चिकित्सालय में इलाज कराया। लेकिन, कुत्ते की हालत बिगड़ती चली गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में दोषी संजय रॉय की सजा पर राजनीति शुरू

कोलकाता (एजेंसी) कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के दोषी संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। सियालदह कोर्ट में जज अनिर्बान

● मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा मैं फैसले से संतुष्ट नहीं हूं

दास ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इस पर असंतोष जताते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि जांच का जिम्मा कोलकाता पुलिस से ''जबरन'' ले लिया गया। उन्होंने कहा कि यदि जांच का जिम्मा कोलकाता पुलिस के पास ही रहा होता, तो उसे निश्चित रूप से मौत की सजा होती। मुर्शिदाबाद जिले में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने मामले में सीबीआई जांच पर सवाल उठाये। उन्होंने कहा, ''हम सभी ने (दोषी के लिए) मृत्युदंड की मांग की थी, लेकिन अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामला हमसे जबरन ले लिया गया। अगर यह (कोलकाता) पुलिस के पास ही रहा होता, तो हम सुनिश्चित करते कि उसे मौत की सजा मिले।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमें नहीं पता कि जांच कैसे की गई। राज्य पुलिस द्वारा जांच किये गए ऐसे ही कई मामलों में मौत की सजा सुनिश्चित की गई। मैं (फैसले से) संतुष्ट नहीं हूं।'' सियालदह की अदालत ने संजय रॉय को राज्य सरकार द्वारा संचालित आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के मामले में दोषी करार दिये जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सियालदह के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास की अदालत ने शनिवार को, रॉय को पिछले वर्ष नौ अगस्त को अस्पताल में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ हुए जघन्य अपराध के मामले में दोषी करार दिया था। इस घटना के बाद पूरे देश में अभूतपूर्व और लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन हुए थे। न्यायाधीश दास ने कहा कि यह अपराध ''दुर्लभ से दुर्लभतम'' श्रेणी में नहीं आता, जिससे दोषी को मृत्युदंड दिया जा सके।

पीड़िता के माता-पिता ने मांगा न्याय: अदालत ने राज्य सरकार को मृतक डॉक्टर के परिवार को 17 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। मृतक डॉक्टर के परिवार ने सोमवार को सियालदह अदालत के न्यायाधीश से कहा कि वे अपनी बेटी के लिए न्याय चाहते हैं, मुआवजा नहीं। नौ अगस्त 2024 को आरजी कर अस्पताल में नाइट ड्यूटी पर तैनात ट्रेनी डॉक्टर का शव मिला था। दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या हुई थी। कोलकाता पुलिस ने सीसीटीवी में नजर आए संजय रॉय को इस मामले में गिरफ्तार किया था। बाद में मामला सीबीआई के पास पहुंचा और जांच के बाद संजय रॉय को दोषी पाया गया।

भोपाल के अरेरा कॉलोनी में यंगशाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट में सामने आया है कि हर चार में से एक व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहा है। यह जानकारी मध्य भारत के प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी ने यंगशाला की रूबरू श्रृंखला में %ओवरथिंकिंग से आजादी% विषय पर आयोजित परिचर्चा में साझा की। यह कार्यक्रम भोपाल के अरेरा कॉलोनी में रविवार को आयोजित किया गया। डॉ. त्रिवेदी ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य में किया गया एक रुपये का निवेश व्यक्ति की उत्पादकता में 4 से 4.5 रुपये तक की वृद्धि कर सकता है। उन्होंने ओवरथिंकिंग को सामान्य सोच और अत्यधिक सोच के बीच की पतली रेखा बताया। उनके अनुसार, जीवन एक मैराथन की तरह है, जिसमें हर समय %हां% कहने वाला ही नहीं, बल्कि कभी-कभी ना कहने वाला भी विजयी हो सकता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिए डॉ. त्रिवेदी ने कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपनी सीमाओं को पहचानना चाहिए और आदत व जरूरत, ज्ञान व सूचना, तथा सोचने व करने में अंतर समझना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिए संवाद बेहद जरूरी है, चाहे वह परिवार, मित्र या चिकित्सक से हो। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि जहां प्रेरणा जरूरी है, वहीं अत्यधिक प्रेरणा का डोज नुकसानदायक हो सकता है।

म.प्र. मदरसा बोर्ड की कक्षा 10वीं-12वीं उर्दू माध्यम के परीक्षा आवेदन 31 मार्च तक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। म.प्र. मदरसा बोर्ड की सत्र 2025 में आयोजित होने वाली कक्षा 10वीं-12वीं उर्दू माध्यम की परीक्षाओं के आवेदन-पत्र भरने की सुविधा अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से 20 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। आवेदन-पत्रों में त्रुटि सुधार 10 अप्रैल तक किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात मूल दस्तावेज 15 अप्रैल 2025 तक भेजे जाना अनिवार्य है। इन परीक्षाओं को भारत सरकार एवं राज्य शासन से मान्यता एवं समकक्षता प्राप्त है। अधिकृत अध्ययन केन्द्रों एवं छात्रों को निर्देशित किया जाता है कि आवेदन-पत्र भरने से पूर्व बोर्ड द्वारा जारी दिशा निर्देशों का भलिभांति अवलोकन कर लें, जिससे की आवेदन-पत्रों में किसी प्रकार की त्रुटि न हो। दिशा-निर्देश मदरसा बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं को लेकर सरकार अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को लेकर मोहन सरकार ने सभी कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों, संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों को अलर्ट रहने के लिए कहा है। राज्य शासन के निर्देश के बाद प्रयागराज के सीमावर्ती जिलों में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी सड़क मार्ग और दुर्घटनाओं की रिपोर्ट ले रहे हैं। संभागायुक्त रीवा बीएस जामोद ने इसी तारतम्य में सड़कों के सुधार की भी रोज रिपोर्ट देने को कहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से सीधा जुड़ने वालों में एमपी का रीवा और मऊगंज जिला शामिल है। इसके अलावा सतना, पन्ना और सीधी होकर भी श्रद्धालुओं का प्रयागराज जाना होता है। इसी के मद्देनजर राज्य शासन ने श्रद्धालुओं की किसी भी तरह की दिक्कत होने पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश रीवा संभाग के अफसरों को दिए हैं। इसके बाद रीवा संभागायुक्त ने शासन के निर्देश पर व्यवस्थाएं माकूल रखने के लिए कहा है। चूंकि प्रयागराज में महाकुंभ मेला 13 जनवरी से शुरू हो गया है और मेले में शामिल होने के लिए रोज हजारों श्रद्धालु रीवा प्रयागराज मार्ग से वाहनों द्वारा प्रयागराज पहुंचते हैं। इसलिए रीवा संभाग के कमिश्नर जामोद ने मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम तथा नेशनल हाइवे के अधिकारियों को रीवा-प्रयागराज मार्ग में लगातार निगरानी के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने कहा है कि प्रयागराज मार्ग में 24 घंटे बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन हो रहा है। सड़क पर जहां आवश्यक हो वहां तत्काल सुधार कार्य कराएं। क्षतिग्रस्त शोल्डर भी तत्काल ठीक करें। जहां आवश्यक हो वहां पर्याप्त संख्या में संकेतक लगाएं। सोहागी घाटी की सड़क पर विशेष ध्यान दें। कुंभ में शामिल होने वाले यात्रियों के वाहन बिना किसी बाधा के सरलता से आवागमन कर सकें, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए। रीवा से चाकघाट होकर प्रयागराज को जाने वाले मार्ग पर सड़क की स्थिति का निरीक्षण करने के लिए पिछले दिनों पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी सोहागी पहाड़ पहुंचे थे।

स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए संसाधन के साथ सेवा भावना आवश्यक : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए हर संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। डॉक्टर और अन्य चिकित्साकर्मी सेवा की भावना से रोगियों का तत्परता से उपचार कर इसे सार्थक बनाएं। रीवा का सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल जटिल रोगों का उपचार लगातार सफलतापूर्वक कर रहा है। इस अस्पताल को हर आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराये गये हैं। जिससे ओपन हार्ट सर्जरी तथा किडनी ट्रांसप्लांट जैसे आपरेशन भी यहाँ हो रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के करहिया नम्बर-दो में 60 लाख रुपए की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के लिए लगातार स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण करें। इनमें यदि संसाधनों की कमी है तो उसे पूरा कराया जाएगा। यहाँ अगडाल में स्वास्थ्य केन्द्र भवन की माँग रखी गई। जिसे मंजूर कर दिया गया है। दो-तीन दिनों में इसका कार्य शुरू हो जाएगा। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा आमजन उपस्थित रहे।

मेंटेनेंस लायक नहीं पार्वती ब्रिज, नया बनेगा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल और राजगढ़ जिले की सीमा पर पार्वती नदी पर बना 49 साल पुराना पुल मेंटेनेंस लायक भी नहीं है। एमपीआरडीसी (मप्र सड़क विकास निगम) की रिपोर्ट में इस ब्रिज से ट्रैफिक जारी रहने की स्थिति में जान-माल की हानि होने की आशंका जताई गई है। वहीं, नए ब्रिज को बनाने का सुझाव दिया है। ऐसे में अब वैकल्पिक रास्ते को जल्दी बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

ब्रिज का एक हिस्सा धंस गया है। इस वजह से गुरुवार की रात से ही ब्रिज के ऊपर से आवागमन बंद कर दिया गया है। शुक्रवार को एमपीआरडीसी के 15 इंजीनियरों की टीम ने ब्रिज की जांच भी की थी। टीम ने वैकल्पिक रास्ते को बनाने पर जोर दिया था। इसलिए स्टॉप डैम के पास भरे पानी को उलिचा जा रहा है। हालांकि, वैकल्पिक रास्ते को बनने में एक सप्ताह का समय लग सकता है। तब तक के लिए रास्ता पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। बता दें यह पुल बैरसिया-नरसिंहगढ़ रोड पर है और 1976 में बनाया गया था। पुल बंद होने से यातायात पर असर पड़ा है। शनिवार की रात में दो-तीन गाड़ियां चोरी-छुपे ब्रिज के ऊपर से निकल गई। इसके वीडियो भी सामने आए। इसलिए रविवार से ब्रिज के दोनों ओर मिट्?टी डाल दी गई। ताकि, कोई भी ब्रिज के ऊपर से नहीं निकल सके। ब्रिज को लेकर एसडीएम आशुतोष शर्मा ने एमपीआरडीसी के संभागीय प्रबंधक को लेटर भी लिखा था। लेटर में लिखा था कि %पार्वती पुल क्षतिग्रस्त हो गया है।

सीएम, मंत्रियों के दौरे के पहले महेश्वर की सजावट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। 24 जनवरी को महेश्वर में होने वाली कैबिनेट बैठक के मद्देनजर नर्मदा नदी के किनारे बने घाटों की साफ-सफाई और रंग रोगन का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मंत्रियों द्वारा किए जाने वाले नर्मदा पूजन के चलते स्थानीय प्रशासन यहां तैयारियों में जुटा है। सबसे ज्यादा फोकस अहिल्या घाट पर है। यहां अहिल्या माता पूजन के लिए पहुंचती थीं। यहां घाट की मरम्मत का काम भी शुरू करा दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उनकी पूरी कैबिनेट 24 जनवरी को बैठक के लिए महेश्वर पहुंचने के बाद सबसे पहले अहिल्या किला पहुंचेंगे। राजगादी पर पुष्प अर्पित करेंगें। इसके बाद अहिल्या घाट में मां नर्मदा का पूजन किया जाएगा। मां नर्मदा को चुनरी अर्पित कर दूध से अभिषेक किया जाएगा।

सीएम और मंत्रियों के दौरे के चलते अहिल्या घाट की साफ-सफाई की जा रही है। जहां आवश्यक है वहां पर मरम्मत व सुधार का कार्य भी कराया जा रहा है। इससे अहिल्या घाट का स्वरूप भी निखर रहा है। यह घाट नए स्वरूप में और भी आकर्षक नजर आने लगा है। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री डॉ यादव एवं मंत्रिमंडल के सदस्य जिस रास्ते से अहिल्या घाट पहुंचेंगे और पूजन-अर्चन के बाद जिस रास्ते से कैबिनेट बैठक के लिए नर्मदा रिट्रीट पहुंचेंगे उस मार्ग को भी रंग-रोगन एवं पेंटिंग के माध्यम से संवारा जा रहा है।

कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ यादव मंडलेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में महेश्वर-जानापाव उद्वहन सिंचाई परियोजना का शिलान्यास करेंगें तथा जनसभा को संबोधित करेंगें। कार्यक्रम में देवी अहिल्या के जीवन पर तैयार कैलेंडर एवं पुस्तिका का विमोचन भी होगा। देवी अहिल्या के जीवनी पर तैयार पुस्तिका में उनकी जीवन यात्रा को बताया गया है।

मध्यप्रदेश बना 'त्वरित' डिजिटल इनिशिएटिव अपनाने वाला पहला राज्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी के दो दिवसीय मुख्य जिला और सत्र न्यायाधीश सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश न्यायमूर्ति श्री अभय एस. ओक ने ई-ज्योति जर्नल और त्वरित नामक अत्याधुनिक डिजिटल इनिशिएटिव का शुभारंभ किया। त्वरित के माध्यम से सम्मन और वारंट की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक भी की जा सकेगी। मध्यप्रदेश इस पहल के लिए नियमों को अधिसूचित करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है, जो न्यायिक प्रणाली में डिजिटल नवाचार का एक अनुकरणीय उदाहरण है।

न्यायमूर्ति श्री ओक ने न्याय प्रणाली में जिला न्यायालयों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने जिला न्यायाधीशों से पुराने लंबित मामलों के निराकरण को प्राथमिकता देने और नवीन दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। जबलपुर में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सुरेश कुमार कैत, न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और अन्य न्यायाधीश सम्मिलित हुए। सम्मेलन में प्रदेश के सभी मुख्य जिला और सत्र न्यायाधीश, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण , राज्य न्यायिक अकादमी के वरिष्ठ अधिकारी, और अन्य गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए। द्वैमासिक पत्रिका ई-ज्योति जर्नल अकादमी की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहेगी, इससे पाठकों को बहुमूल्य जानकारी मिल सकेगी।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायलय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सुरेश कुमार कैत ने जरूरतमंद और गरीब याचिकाकर्ताओं को कानूनी सहायता प्रदान किये जाने को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जिला न्यायालयों के न्यायधीशों से आह्वान किया कि वे उत्कृष्ट प्रदर्शन और श्रेष्ठ नेतृत्व से जिलों में सेवारत न्यायिक अधिकारियों को प्रेरित करें। सम्मेलन में न्यायिक प्रणाली को आधुनिक बनाने और न्याय प्रदान करने में दक्षता बढ़ाने के प्रति प्रतिबद्धता और सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया।

विंध्य सांस्कृतिक मंच द्वारा आयोजित किया गया स्वास्थ्य सह जन समस्या समाधान शिविर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विंध्य क्षेत्र ने सेना, राजनीति व न्याय आदि क्षेत्रों में ख्यातिलब्ध शख्सियत देकर विंध्य का गौरव बढ़ाया है। चित्रकूट में भगवान राम ने वनवास के दौरान प्रवास किया था, इसके साथ ही विंध्य क्षेत्र सांस्कृतिक दृष्टि से विशिष्ट स्थान रखता है, वहीं यह क्षेत्र विकास में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सिंचाई के लिए नहरों का जाल बिछाया जा रहा है और सकारात्मक तथा रचनात्मक कार्य से विंध्य का नाम ऊंचा हो रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में आज जबलपुर के बारहा स्थित रॉयल हेरीटेज पब्लिक स्कूल प्रांगण में श्री विंध्य सांस्कृतिक मंच द्वारा विशाल स्वास्थ्य सह जन समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद श्री आशीष दुबे, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक श्री सुशील तिवारी इंदु, श्री अशोक रोहाणी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासकीय और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि विंध्य क्षेत्र के स्किल का लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि सांसद व विधायक निधि से सांसद और विधायक गरीब बच्चों को बढ़ाने का बीड़ा उठायें। क्योंकि भारतीय संस्कृति में अन्नदान, शिक्षादान और कन्यादान का विशेष महत्व है। इसलिये समाज की उन्नति की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि सभी को समाज की चिंता करनी चाहिए। जबलपुर व प्रदेश के विकास में जनप्रतिनिधियों की भूमिका सराहनीय हो, यहां की संभावनाओं को तलाशे और पूरे क्षेत्र को इको टूरिज्म बनायें।

एकात्म धाम से जाएगा महाकुंभ का संदेश, आचार्य शंकर हमारे आदर्श -आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रयागराज महाकुंभ के सेक्टर 18 में स्थित एकात्म धाम शिविर में शुक्रवार को जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि का आगमन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने न्यास द्वारा आचार्य शंकर के जीवन दर्शन पर केंद्रित प्रदर्शनी 'अद्वैत लोक' का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने एकात्म धाम शिविर को महाकुंभ का सबसे अद्भुत शिविर बताते हुए कहा कि यह शिविर एकत्व की बात

करता है और इसका संदेश भगवान आद्य शंकराचार्य के अद्वैत वेदांत पर आधारित है। इस विश्व को जब भी समाधान की आवश्यकता होगी, वह अद्वैत वेदांत में ही मिलेगा। ए.आई. के युग में सत्य की खोज के लिए वेदांत की ओर जाना ही एकमात्र मार्ग होगा।

महाकुंभ का जो संदेश पूरे विश्व में जाना चाहिए, वह एकात्म धाम से जाएगा। विश्व में अशांति कलह,युद्ध सभी का समाधान अद्वैत है। सभी नामरूपो में एक ही ब्रह्म अनेकरूपता एक ब्रह्म का विस्तार समस्त विश्व को यह सत्य आद्य शंकर ने दिया। सत्य की खोज की प्रामाणिकता सिद्ध करने हेतु वेदांत की ओर जाना ही एकमात्र मार्ग है। उन्होंने शुभकामनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि यहां आकर मैं आल्हादित एवं गौरवान्वित हूँ। मुझे प्रसन्नता है कि मैं भी न्यास का हिस्सा हूँ, यह कल्पनाओं से परे है, ऐसा अद्भुत शिविर मैंने कहीं नहीं देखा। इस अवसर पर उन्होंने आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास द्वारा तैयार एकात्म धाम शिविर एवं अद्वैत वेदांत युवा जागरण शिविर की लघु फ़िल्म का लोकार्पण किया।

आपके सहयोग से ग्वालियर उप नगर की बदल रही है तकदीर और तस्वीर-ऊर्जा मंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रविवार को 366 हितग्राहियों को कामकाजी कार्ड, आयुष्मान कार्ड, विधवा पेंशन और राशन पात्रता पर्चियों का वितरण रेसकोर्स रोड स्थित 38 नम्बर कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में किया। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है, लेकिन यह सब हो पा रहा है ईश्वर की कृपा से वर्ना हम और आप तो निमित्त मात्र हैं। लेकिन आप और आपका सेवक जागरुक है इसलिए यह सब संभव हो पाया है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने राज्य और केन्द्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत 366 हितग्राहियों को हित लाभ के प्रमाण-पत्र वितरित किए गये। इसमें 116 महिलाओं को महिला कामकाजी कार्ड 116,

112 हितग्राहियों को राशन पात्रता पर्ची, 26 वृद्धजनों को वृद्धावस्था पेंशन, 13 बहिनों को कल्याणी पेंशन, 2 लोगों को निश्शक्तजन पेंशन प्रमाण पत्र तथा 98 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा यह सेवक आपकी सेवा के लिए कार्य कर रहा है। आज ग्वालियर उप नगर की तस्वीर और तकदीर बदल रही है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन, केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया और आप सभी के सहयोग से संभव हो सका है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि उपनगर ग्वालियर में सिविल अस्पताल हजीरा आपने पहले भी देखा था और आज भी देख रहे हैं। इसी तरह पटेल स्कूल पहले किस स्थिति में था और अब किस स्थिति में है। यह सब आपकी आंखों के सामने है। उन्होंने कहा कि यह सब इसलिए है, क्योंकि आपका सेवक जागरुक है। स्मार्ट स्कूल, स्वास्थ्य सेवाएं हमारे आने वाली पीढियों के काम आएंगे।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने स्वच्छता पर जोर देते हुए कहा कि हमें स्वच्छता के मामले में ग्वालियर को इंदौर बनाना है। अपने घर को अपनी गली को स्वच्छ रखना, हमें अपनी आदत में शामिल करना होगा। तभी हम स्वच्छ ग्वालियर के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। ऊर्जा मंत्री ने कहा वह नियमित रूप से फेसबुक पर लाइव होते हैं और आप भी इसके जरिए मुझसे जुड़ सकते हैं।

सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत

तेज रफ्तार बस ने बाइक को मारी टक्कर, ग्रामीणों ने शव रख किया प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बैढ़न से इंदौर जा रही अंबे ट्रांसपोर्ट की तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान जीजा शिवरतन सिंह (32 वर्ष), निवासी फुलवारी और उनके साले कुंवर सिंह (30 वर्ष), निवासी दुधमनिया के रूप में हुई है। मोरवा एसडीओपी राजीव पाठक के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवक दूर जा गिरा, जबकि दूसरा करीब 10 मीटर तक सड़क पर घिसटता चला गया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शवों को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। हालांकि, बरगवां पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने बस चालक को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं।

यह घटना जिले में बढ़ती तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग की ओर ध्यान खींचती है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर

मौके पर मौत, पत्नी को लेने ससुराल जा रहा था, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र के महाराजपुर रोड पर सड़क हादसे में 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसा रविवार दोपहर की है, जिसका वीडियो सोमवार शाम को सामने आया है। फुटेज में देखा जा सकता है कि एक सफेद रंग की कार (एमपी16सी6655) ने बाइक सवार को पीछे से टक्कर मारी।

मृतक की पहचान सटई वार्ड नंबर-6 के रहने वाले रतन पटेल के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी को लेने ससुराल गढ़ी जा रहा था, तभी रास्ते में हादसा हो गया। डायल 100 की टीम ने घायल युवक को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वहीं, टक्कर के बाद कार से चार लोग उतरे और सॉलिड ट्रैक्टर एजेंसी शोरूम में चले गए। छतरपुर आरटीओ के रिकॉर्ड के अनुसार, दुर्घटना में शामिल कार शुक्लाना मोहल्ला निवासी राजेंद्र कुमार सोनी (पिता कल्याण दास सोनी) के नाम पर रजिस्टर है।

कार जब्त कर आरोपी की तलाश जारी: गढ़ीमलहरा थाना प्रभारी सुरभि शर्मा ने बताया कि पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

युवा संगम रूरोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला 21 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज ने जानकारी देकर बताया है कि जिला रोजगार कार्यालय द्वारा आयोजित रोजगार मेले के साथ स्वरोजगार योजनाओं को समन्वित कर संयुक्त रूप से रोजगार मेला एवं स्वरोजगार मेला के आयोजन के निर्देश प्राप्त हुए हैं। सीधी जिले में प्रत्येक माह के तृतीय मंगलवार को रोजगार मेला, स्वरोजगार मेला एवं अप्रेन्टिसशिप मेला आयोजित किया जाना निर्धारित है। माह जनवरी में उपरोक्त आयोजन दिनांक 21.01.2025 को शासकीय आई.टी.आई मड़रिया सीधी के परिसर में प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जा रहा है।

सोन नदी में डूबने से 14 वर्षीय बच्चे की मौत

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के अमलाई थाना क्षेत्र की सोन नदी में नहाते समय 14 वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान रामगढ़ (छत्तीसगढ़) निवासी सुशील उर्फ दीपक विश्वकर्मा के रूप में हुई है। घटना रविवार की है, जब सुशील अपने एक दोस्त के साथ सोन नदी डैम के नीचे नहाने गया था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसके दोस्त ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सका। दोस्त ने तुरंत घर जाकर परिजनों को सूचना दी, जिन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

अमलाई थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा के अनुसार, रात होने के कारण रविवार को शव की तलाश सफल नहीं हो पाई। सोमवार सुबह पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और शव को नदी से बाहर निकाला। सुशील कुछ दिनों पहले ही अपने रिश्तेदारों से मिलने अमलाई आया था।

ललितपुर-खजुराहो पैसेंजर ट्रेन से गिरा युवक

हाथ कंधे से अलग हुआ, पेट में भी गंभीर चोट, छतरपुर जिला हॉस्पिटल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। ललितपुर-खजुराहो पैसेंजर ट्रेन से गिरने के कारण एक 24 वर्षीय युवक का बायां हाथ कंधे से अलग हो गया। घायल की पहचान टीकमगढ़ जिले के चंदेरी थाना कुड़ीला निवासी अरविंद तिवारी के रूप में हुई है। जो 1171/5 किलोमीटर स्टोन के पास पटरी पर गंभीर हालत में मिला।

स्टेशन मास्टर को सूचना मिलते ही जीआरपीएफ और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। घायल को शाम 4 बजे एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया।

हाथ कंधे से अलग हुआ, पेट में भी चोट: जिला अस्पताल में डॉ. आशीष शुक्ला ने युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत ऑपरेशन कक्ष में भेजा। डॉक्टर के अनुसार अरविंद के हाथ के अलावा पेट में भी गंभीर चोट आई है और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

हेड कॉन्स्टेबल माधव सिंह यादव ने बताया कि घटनास्थल से कटा हुआ हिस्सा भी बरामद किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

आधार सेंटर पर रोजाना सैकड़ों लोग परेशान

तीन दिन से चक्कर काट रहे, टोकन के नाम पर दलाल पैसे वसूल रहे

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के छत्रसाल चौराहे स्थित भारतीय डाक विभाग के आधार कार्ड सेंटर पर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सेंटर पर दिन में 50 आधार कार्ड ही बन पा रहे हैं, जबकि लोगों संख्या ज्यादा है। जिस कारण यहां आधार कार्ड पर टोकन के लिए कुछ दलाल लोगों से पैसे ऐठ रहे है। स्थानीय नागरिकों ने शिकायत है कि आधार सेंटर के बाहर बैठा एक व्यक्ति केंद्र के अधिकारियों से मिलीभगत कर लोगों से अतिरिक्त राशि वसूल रहा है। टोकन नंबर के नाम पर यह दलाल मनमानी राशि की मांग कर रहा है। कई लोग पिछले कई दिनों से आधार कार्ड की सेवाओं के लिए चक्कर काट रहे हैं।

सेंटर पर हर दिन 50 आधार कार्ड ही बन रहे: जानकारी के अनुसार इस आधार सेंटर में प्रतिदिन केवल 50 लोगों के आधार कार्ड बनाने या सुधार का काम किया जाता है, जबकि रोजाना सैकड़ों लोग इस सेवा के लिए पहुंचते हैं। सरकारी नियमों के अनुसार आधार सेवाओं के लिए एक निर्धारित शुल्क है, लेकिन दलालों की ओर से इसके लिए कई गुना अधिक राशि वसूली जा रही है। सोमवार को पोस्ट ऑफिस के अंदर कुछ लोगों ने एक व्यक्ति का वीडियो बनाया। जिसमें एक व्यक्ति से कुछ लोग आधार केंद्र में बैठे अधिकारियों से साठगांठ कर पैसे लेकर टोकन बांटने के आरोप लगाते हुए दिखाई दे रहा है।

टोकन के लिए दलाल 500 ले रहे: 20 किलोमीटर दूर बुदौर से आए मातादीन ने बताया कि वह काफी दिनों से अपनी बच्ची का आधार कार्ड बनवाने के लिए चक्कर लगा रहा है। 23 तारीख को लास्ट डेट है स्कूल में आधार कार्ड जमा करना है। उसने बताया कि आधार कार्ड का टोकन देने के नाम पर उसने दलाल को 500 रुपए लिए। 22 किलोमीटर दूर मनकारी गांव के बृजेश सिंह भदोरिया ने बताया कि आज दोपहर में पोस्ट ऑफिस में आधार कार्ड में सुधार करवाने के लिए आया था। लेकिन यहां आकर पता चला कि सुबह टोकन बट जाते हैं कल जल्दी जाकर पहले टोकन लेने की बात कही गई है।

डाकघर अधीक्षक एसके राठौर ने बताया कि लोगों की भीड़ अधिक बढ़ती है एक दिन लोगों ने प्लाई तोड़ दी थी। हमने व्यवस्था बनाई है 1 दिन में हम 50 लोगों के टोकन बनते हैं। मामले की जांच की जाएगी।वहीं, कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने बताया कि मैं इस मामले में संबंधित अधिकारियों से बात कर जांच करवाता हूं।

हत्या के आरोपी को दी गई डिफ़ॉल्ट जमानत रद्द

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक महत्वपूर्ण कानूनी विकास में, माननीय तृतीय अतिरिक्त सत्र न्यायालय, रीवा ने मनगंवा में जघन्य हत्या के आरोपी सुनील पटेल को दी गई डिफ़ॉल्ट जमानत रद्द कर दी है। यह मामला, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया था, 21 जुलाई 2024 को सुनील पटेल द्वारा अपनी पत्नी की नृशंस हत्या से संबंधित है। आरोप है कि पटेल ने अपने परिवार के सदस्यों के सामने अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसका सिर धड़ से अलग कर दिया और उसकी भाभी, जो कि इस मामले में शिकायतकर्ता हैं, उन पर भी आरोपी द्वारा जानलेवा हमला किया गया था ।

शुरुआत में, आरोपी को अक्टूबर 2024 में सीआरपीसी की धारा 167(2)/ धारा 187(3) भ0 न0 एस0 एस0 के तहत डिफ़ॉल्ट जमानत दी गई थी। यह जमानत मंगावा पुलिस थाने के जांच अधिकारी द्वारा अनिवार्य 90 दिनों की समय सीमा के भीतर चार्जशीट दाखिल करने में विफल रहने के कारण मिली थी।

हालांकि, अधिवक्ता शशांक सौरभ सिंह द्वारा जमानत रद्द करने के लिए आवेदन दायर किया गया। उन्होंने तर्क दिया कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए, न्यायालय को प्रक्रियात्मक चूक के बावजूद सख्त न्यायिक जांच करनी चाहिए। विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, माननीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, रीवा ने 17 जनवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक निर्णय का हवाला देते हुए व अनुकरण में जमानत रद्द कर दी।

इस फैसले को आपराधिक न्यायशास्त्र में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। अदालत ने स्वीकार किया कि हालांकि डिफ़ॉल्ट जमानत जैसे प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय आरोपी के अधिकारों की रक्षा के लिए होते हैं, लेकिन वे जघन्य अपराधों में न्याय को कमजोर नहीं कर सकते। फैसले में जोर दिया गया कि ऐसे मामलों में, जहां डिफ़ॉल्ट जमानत प्रक्रियात्मक देरी के कारण दी गई हो, इसे रद्द किया जा सकता है यदि आरोपी के खिलाफ गंभीर अपराध का प्रथम दृष्टया मामला स्थापित हो।

यह आदेश समान मामलों के लिए एक मिसाल कायम करने की उम्मीद है, ताकि कानूनी खामियों और जांच में चूक के कारण जघन्य अपराधों के अपराधियों को सिस्टम का फायदा उठाने का मौका न मिले। कानूनी विशेषज्ञों ने इस फैसले को हिंसक अपराधों के पीड़ितों को न्याय दिलाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।यह मामला पुलिस जांच में सुधार और जवाबदेही बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है, ताकि प्रक्रियात्मक चूक न्याय की खोज में बाधा न बन सके।

युवक को गड्ढे डालकर लातें मारी, सड़क पर खड़े ट्रैक्टर को साइड करने कहा था

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी शहर में बाइक से ऑफिस जा रहे एक युवक ने सड़क पर खड़े ट्रैक्टर को साइड करने कहा, इससे नाराज 8 लोगों ने उसकी पिटाई कर दी है। घायल का जिला अस्तपताल में भर्ती कराया गया है। घटना के 5 घंटे बाद तक पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया है।

बताया गया कि सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे आदित्य त्रिपाठी बाइक से ऑफिस जा रहे थे। गोपालदास बाद के पास ट्रैक्टर खड़ा था। ट्रैक्टर में मौजूद लोगों ने साइट नहीं दी। जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। इसका वीडियो भी सामने आया जिसमें कुछ लोग गड्ढे में डालकर पैरों से आदित्य को मार रहे हैं।

पुलिस कर रही जांच: थाना प्रभारी जमोड़ी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि वीडियो पोस्ट हुआ है। हम जांच कर रहे हैं। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हम उनका बयान लेंगे। उसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

जिला अस्पताल में केंद्रीय मंत्री का औचक निरीक्षण

गंदगी और अव्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी, प्राइवेट क्लीनिक रेफर करने वाले डॉक्टरों पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिला अस्पताल में सोमवार दोपहर को केंद्रीय मंत्री एवं टीकमगढ़ सांसद डॉ. वीरेंद्र कुमार ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में फैली गंदगी और अव्यवस्थाओं को देखकर प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाई।

सर्दी के मौसम को देखते हुए मंत्री ने भर्ती मरीजों को कंबल वितरित किए और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एक मरीज को तत्काल रक्त की आवश्यकता थी, जिसके लिए उन्होंने अपनी टीम को ब्लड डोनेट करने का निर्देश दिया।

डॉक्टरों और क्लीनिक के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई: जब उनसे जिला अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा मरीजों को प्राइवेट क्लीनिक रेफर करने के मुद्दे पर सवाल किया गया, तो उन्होंने कड़ा रुख अपनाया। मंत्री ने कहा कि जिला अस्पताल सभी मरीजों के इलाज के लिए प्राइवेट क्लीनिक भेजने वाले डॉक्टरों और क्लीनिक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस मामले में सीएमएचओ और सिविल सर्जन से चर्चा करने की बात कही।

कार्यक्रम में सिविल सर्जन जी.एल. अहिरवार, पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, अर्चना सिंह और भाजपा नेता ठाकुर पटेल, सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का तुरंत निपटारा हो : कलेक्टर

100 दिन से लंबित मामलों पर नाराजगी जताई, निराकरण के निर्देश दिए

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों की जमकर क्लास ली। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए विशेष रूप से सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग, मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी को फटकार लगाई।

इन विभागों में 100 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों को लेकर कलेक्टर ने गंभीर नाराजगी जताई। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित निराकरण किया जाए। बैठक में स्वास्थ्य, खाद्य, कृषि, ऊर्जा, जल संसाधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वित्त और सहकारिता सहित अन्य विभागों की भी समीक्षा की गई।

विशेष रूप से बीपीएल सूची को लेकर कलेक्टर ने महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पात्र व्यक्तियों का नाम बीपीएल सूची से अनावश्यक रूप से न हटाया जाए। यह कार्रवाई सिर्फ पटवारी के सत्यापन के बाद ही की जाए।

बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, सोहागपुर के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, प्रगति वर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

कंपनी के नियम, शर्तों को अच्छी तरह समझ कर व पढ़कर ही कंपनी में अपनी अभिरूचि दर्ज करायें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अति. मिशन संचालक जिला पंचायत सीधी अंशुमन राज ने जानकारी देकर बताया है कि एजिल सिक्यूरिटी सर्विसेस द्वारा जिले में रोजगार मेले का आयोजन दिनांक 07 जनवरी से 11 जनवरी 2025 तक किया गया था। उक्त रोजगार मेले में चयन कंपनी द्वारा जारी विज्ञापन में चयन मापदण्ड, वेतन, प्रदाय सुविधाओं अथवा ड्रेस एवं किट हेतु लगने वाले राशि का स्पष्ट विवरण दिया गया था। कंपनी द्वारा उपरोक्त दिवसवार निर्धारित कैम्पों में भी प्रत्येक अभ्यर्थी को इस संबंध में चयन के पूर्व मौखिक रूप से अवगत कराया गया था।

जिला प्रशासन द्वारा रोजगार मेलों के माध्यम से बेरोगार युवक/युवतियों को पात्रता अनुसार विभिन्न कंपनियों/संस्थाओं में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराया जाता है, जहाँ जिला प्रशासन का कार्य सहजकर्ता का होकर एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराना है जहाँ नियोक्ता एवं अभ्यर्थी एक स्थान पर उपस्थित होकर आपसी सहमति से एक दूसरे का चयन कर सके।

प्रत्येक अवसर पर प्रशासन द्वारा इच्छुक बेरोजगार युवकों को सलाह दी जाती है कि कंपनी के नियम/शर्तों को अच्छी तरह समझ कर व पढ़कर ही कंपनी में अपनी अभिरूचि दर्ज करायें।

रेलवे के चिन्हित मुद्दों को प्राथमिकता पर निराकृत करायें : कलेक्टर

समय-सीमा बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा रीवा-सीधी-सिंगरौली नई रेलवे लाइन के भू-अर्जन के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि रीवा-सीधी-सिंगरौली नई रेलवे लाइन के भू-अर्जन के कार्यों को प्राथमिकता दें। उप मुख्यमंत्री महोदय के समीक्षा बैठक में चिन्हित मुद्दों पर प्राथमिकता से कार्यवाही करते हुए निराकृत करायें तथा प्रतिदिन की गई कार्यवाही से अवगत करायें। कलेक्टर ने रेलवे के अधिकारियों से निरंतर समन्वय स्थापित करने तथा प्रगतिरत कार्यों की सूची संबंधित उपखण्ड अधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शिविरों में प्राप्त समस्त आवेदनों को पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) खण्ड स्तर पर अभियान के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा करें। शिविर में प्राप्त आवेदनों पर निर्धारित समय-सीमा में कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। योजनाओं के लाभ से वंचित हितग्राहियों को चिन्हांकित कर उन्हें शत-प्रतिशत लाभान्वित करें। इस अभियान के बाद कोई भी पात्र हितग्राही योजना के हितलाभ से वंचित नहीं रहे।

बैठक में कलेक्टर द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग प्रमुख अपने विभाग से संबंधित शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे। स्वयं भी शिकायतकर्ताओं से संपर्क करेंगे तथा अधिक से अधिक शिकायतों का संतुष्टि के साथ निराकरण सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने अभियान चलाकर अधिक से अधिक शिकायतों को संतुष्टि के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने बजट के अभाव में लंबित शिकायतों की सूची तैयार करने तथा उसके संबंध में वरिष्ठ कार्यालय को मांग पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने प्रत्येक माह समाधान दिवस का आयोजन करने तथा शिकायकर्ताओं से संपर्क कर उनकी समस्याओं को समझने तथा संतुष्टि के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। लोक शिक्षण विभाग में निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधित एल 1अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए हैं।

कलेक्टर द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि गणतंत्र दिवस समारोह के गरिमामय आयोजन के लिए सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता और सजगता से करें। इसके लिए राज्य शासन द्वारा विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं जिसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों की सूची 23 जनवरी के पूर्व उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, कुसमी प्रिया पाठक, मझौली आर पी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित विभिन्न विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन निखार आयोजित हुआ शिक्षकों का प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी के शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम एवं अर्धवार्षिक परीक्षा में 75 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने वाले विद्यार्थियों को मेरिट में लाने के उद्देश्य से रविवार को प्रशिक्षण दिया गया। विषय विशेषज्ञों ने लक्ष्य प्राप्त करने के टिप्स एवं ट्रिक्स भी दिए। जिला शिक्षा अधिकारी डा पी एल मिश्रा के निर्देशानुसार सभी शिक्षकों का उन्मुखीकरण करते हुए लक्ष्य के प्रति सजग किया गया।

उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एस एन त्रिपाठी एवं एडीपीसी प्रवीण शुक्ला ने टाइम मैनेजमेंट का पाठ पढ़ाया। हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषय के 700 शिक्षकों का प्रशिक्षण 19 जनवरी को जिला उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण देने हेतु 50 मास्टर ट्रेनर नियुक्त किये गए।

शिक्षको को बताया गया पेपर का पैटर्न: हिंदी, संस्कृत, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषय मे 23 प्रश्न जबकि अंग्रेजी में 16 प्रश्न होंगे, बोर्ड की बेबसाईट में सेम्पल पेपर अपलोड है। एपीसी ने यह भी बताया कि अंग्रेजी विषय का परीक्षा का पैटर्न अन्य विषय की तुलना में अलग है।

विचार

तम्बाकू एक धीमा जहर

इसे विडंबना कहे कि जिस तम्बाकू के पेड के पत्तों को गधे भी नहीं खाते वह समझदार प्राणी कहे जाने वाले मानव का सबसे प्रिय खानी वाली एक वस्तु है । तम्बाकू आज के दौर में भारत में बच्चों, किशोर, युवा और वृद्ध सभी आयु वर्ग में खाई जाने वाली वस्तु है । तम्बाबू एक प्रकार की निकोटियाना प्रजाति के पेड के पत्तों को सूखा कर नशा करने की वस्तु बनाई जाती है । यह एक मीठा और धीमा जहर है जो धीमे धीमे आदमी की जान लेता है । भले की सरकार को तम्बाकू के माध्यम से राजस्व के रूप में करोड़ों रूपये प्राप्त होता है । परन्तु दूसरी ओर इससे उत्पन्न रोगों के इलाज पर इससे ज्यादा खर्च किया जाता है । इसके सेवन से जीवनी शक्ति का ह्रास होता है । लाख बुराई होने और इसके नुकसान को जानने के बाद भी जब इसकी लत आदमी को लग जाती है तो उसको छुड़ा पाना मुश्किल हो जाता है । इस प्रकार से वह अपने आप को उसके हवाले करके अपनी ताकत धीरे धीरे खोते जाता है । इसके शौकीन पुरूष महिला सभी है । भारत में प्रयोग की जाने वाली धुंआरहित तम्बाकू में तम्बाकू वाला पान/पान मसाला/तम्बाकू चूने और बूझे हुए चूने का मिश्रण/मैनपुरी तम्बाकू/मावा/तम्बाकू और बूझा हुआ चूना खैनी/चबाने योग्य तम्बाकू/सनस/मिश्री/बज्जर/गुडाखू/क्रीमदार तम्बाकू पावडर/तम्बाकू युक्त पान इत्यादि । इसी के साथ तम्बाकू का उपयोग सिगरेट और बीड़ी के माध्यम से भी किया जात है । तम्बाकू धूमपान एक ऐसा अभ्यास है जिसमें तम्बाकू को जलाया जाता और उसका धुंआ या तो चखा जाता है या फिर उसे सांस में खींचा जाता है । इसका चलन सन् 5000 ई. पूर्व से हुआ है । तम्बाकू सेवन का सबसे आम तरीका धूमपान है । प्रारंभिक अवस्था में धूमपान सुखद अनुभूतियां प्रदान करता है । सकारात्मक दृष्टिकोण के एक स्त्रोत के रूप में कार्य करता है बाद में इसके नकारात्मक प्रभाव शरीर में पड़ते है। धूमपान के अलावा दवा के रूप में भी तम्बाकू का उपयोग होता है। एक दर्द निवारक के तौर में यह कान के दर्द और दांत के दर्द और कभी कभी एक प्रलेप के रूप में भी प्रयोग किया जाता है । रेगिस्तान में रहने वाले भारतीय कहते है कि धूमपान करने से जुकाम ठीक हो जाता है । वर्तमान समय बाजार में बड़ी संख्या में पाऊच बेचे जा रहे है । जिसमें किसी न किसी प्रकार से तम्बाकू का अंश बहुत ज्यादा है । 1980 के दशक में मिले वैज्ञानिक प्रमाण के अनुसार तम्बाकू कंपनियों ने दावा किया कि लापरवाही बरतने का कारण स्वाद पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव से पहले उनका अंजान होना था या पर्याप्त विश्वसनीयता का अभाव था ।

कश्मीर से पंडितों के पलायन के चार दशक

प्रवीण गुगनानी

कश्मीर के सर्वाधिक नए जन सांयिकीय आंकड़ों पर नजर डाले तो स्वतंत्रता के समय वहां घाटी में 15त कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1त से नीचे होकर 0त की ओर बढ़ गई है। हाल ही के इतिहास में कश्मीर के ज.स. सांयिकी में यदि परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक खोजें तो वह एक दिन, यानि 19 जनवरी 1990 के नाम से जाना जाता है। कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देनें की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे।

भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुश्मन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपनें धीमे और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया। इस भयानक नरसंहार पर फारुक अब्दुल्ला की रहस्यमयी चुप्पी और कश्मीरी पंडित विरोधी मानसिकता केवल इस घटना के समय ही सामने नहीं आई थी। तब के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला अपने पिता शेख अब्दुल्ला के क़दमों पर चलते हुए अपना कश्मीरी पंडित विरोधी आचरण कई बार सार्वजनिक कर चुके थे। 19 जनवरी 1990 के मध्ययुगीन, भीषण और पाशविक दिन के पूर्व जमात-ए-इस्लामी द्वारा कश्मीर में अलगाववाद को समर्थन करने और कश्मीर को हिन्दू विहीन करनें के उद्देश्य से हिज्बुल मुजाहिदीन की स्थापना हो गई थी। इस हिजबुल मुजाहिदीन नें 4 जनवरी 1990 को कश्मीर के स्थानीय समाचार पत्र में एक एक विज्ञप्ति प्रकाशित कराई जिसमें स्पष्टत: सभी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की धमकी दी गई थी। इस क्रम में उधर पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री बेनजीर नें भी टीवी पर कश्मीरियों को भारत से मुक्ति पानें का एक भड़काऊ भाषण दे दिया। घाटी में खुले आम भारत विरोधी नारे लगनें लगे। घाटी की मस्जिदों में अजान के स्थान पर हिन्दुओं के लिए धमकियां और हिन्दुओं को खदेड़ने या मार-काट देने के जहरीले आव्हान बजनें लगे। एक अन्य स्थानीय समाचार पत्र अल-सफा ने भी इस विज्ञप्ति का

प्रकाशन किया था। इस भड़काऊ, नफरत, धमकी, हिंसा और भय से भरे शब्दों और आशय वाली इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के बाद कश्मीरी पंडितों में गहरें तक भय, डर घबराहट का संचार हो गया। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि तब तक कश्मीरी पंडितों के विरोध में कई छोटी बड़ी घटनाएं वहां सतत घाट ही रही थी और कश्मीरी प्रशासन और भारत सरकार दोनों ही उन पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे। 19जन. 1990 की भीषणता को और कश्मीर और भारत सरकार की विफलता को इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर और दुकानों पर नोटिस चिपका दिए गए थे कि 24 घंटो के भीतर वे घाटी छोड़ कर चले जाएँ या इस्लाम ग्रहण कर कड़ाई से इस्लाम के नियमों का पालन करें। घरों पर धमकी भरें पोस्टर चिपकाने की इस बदनाम घटना से भी भारत और कश्मीरी सरकारें चेती नहीं और परिणाम स्वरुप पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर धूं-धूं जल उठे। तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला इन घटनाओं पर रहस्यमयी आचरण अपनाए रहे, वे कुछ करनें का अभिनय करते रहे और कश्मीरी पंडित अपनी ही भूमि पर ताजा इतिहास की सर्वाधिक पाशविक- बर्बर-क्रूरतम गतिविधियों का खुले आम शिकार होते रहे, घाटी में पहले से फैली अराजकता चरम पर पहुँच गई। कश्मीरी पंडितों के सर काटे गए, कटे सर वाले शवों को चौक-चौराहों पर लटकाया गया। बलात्कार हुए, कश्मीरी पंडितों की स्त्रियों के साथ पाशविक-बर्बर अत्याचार हुए। गर्म सलाखों शरीर में दागी गई और इज्जत आबरू के भय से सैकड़ों कश्मीरी पंडित स्त्रियों ने आत्महत्या करनें में ही भलाई समझी। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों के शवों का समुचित अंतिम संस्कार भी नहीं होनें दिया गया था, कश्यप ऋषि के संस्कारवान कश्मीर में संवेदनाएं समाप्त हो गई और पाशविकता-बर्बरता का वीभत्स नंगा नाच दिखा था। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और हिजबुल मुजाहिदीन ने जाहिर और सार्वजनिक तौर पर इस हत्याकांड का नेतृत्व किया था। ये सब एकाएक नहीं हुआ था, हिजबुल और अलगाववादियों का अप्रत्यक्ष समर्थन कर रहे फारुख अब्दुल्ला तब भी चुप रहे थे या कार्यवाही करनें का अभिनय मात्र कर रहे थे जब भाजपाई और कश्मीरी पंडितों के नेता टीकालाल टपलू की 14 सित. 1989 को दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी।

अलगाववादियों को कश्मीर प्रशासन का ऐसा वरद हस्त प्राप्त रहा कि बाद में उन्होंने कश्मीरी पंडित और श्रीनगर के न्यायाधीश एन. गंजू की भी हत्या की और प्रतिक्रया होनें पर 320 कश्मीरी स्त्रियों, बच्चों और पुरुषों की हत्या कर दी थी। ऐसी कितनी ही हृदय विदारक, अत्याचारी और बर्बर घटनाएं कश्मीरी पंडितों के साथ घटती चली गई और दिल्ली सरकार लाचार देखती भर रही और उधर श्रीनगर की सरकार तो जैसे खुलकर इन आततायियों के पक्ष में आ गई थी। इस पृष्ठभूमि में हिजबुल और जेकेएलएफ़ का दुस्साहस बढ़ना स्वाभाविक ही था और वह निर्णायक तौर पर कश्मीरी पंडितों की दुकानों-घरों पर 24 घंटे में घाटी छोड़ देनें या मार दिए जानें की धमकी के नोटिस चस्पां करनें की हद तक बढ़ गया। इसके बाद जो हुआ वह एक दुखद, क्षोभजनक, वीभत्स, दर्दनाक और इतिहास को दहला देनें वाले काले अध्याय के रूप में सामनें आया।

अन्ततोगत्वा वही हुआ जो वहां के अलगाववादी, आतंकवादी हिजबुल और जेकेएलफ़ चाहते थे। कश्मीरी पंडित पूर्व की घटनाओं, घरों पर नोटिस चिपकाए जानें और बेहिसाब कत्लेआम से घबराकर 19 जन. 1990 को हिम्मत हार गए। फारुख अब्दुल्ला के कुशासन में आतंकवाद और अलगाववाद चरम पर आकर विजयी हुआ और इस दिन साढ़े तीन लाख कश्मीरी पंडित अपनें घरों, दुकानों, खेतों, बागो और संपत्तियों को छोड़कर विस्थापित होकर दर-दर की ठोकरें खानें को मजबूर हो गए। कई कश्मीरी पंडित अपनों को खोकर गए, अनेकों अपनों का अंतिम संस्कार भी नहीं कर पाए, और हजारों तो यहाँ से निकल ही नहीं पाए और मार-काट डाले गए। विस्थापन के बाद का जो दौर आया वह भी किसी प्रकार से आततायियों द्वारा दिए गए कष्टों से कम नहीं रहा कश्मीरी पंडितों के लिए। वे सरकारी शिविरों में नारकीय जीवन जीनें को विवश हुए। हजारों कश्मीरी पंडित दिल्ली, मेरठ, लखनऊ जैसे नगरों में सनस्ट्रोक से इसलिए मृत्यु को प्राप्त हो गए क्योंकि उन्हें गर्म मौसम में रहनें का अभ्यास नहीं था।

40 वर्ष पूर्ण हुए किन्तु कश्मीरी पंडितों के घरों पर हिजबुल द्वारा नोटिस चिपकाए जानें से लेकर विस्थापन तक और विस्थापन से लेकर आज तक के समय में मानवाधिकार, मीडिया, सेमीनार, तथाकथित बुद्धिजीवी, मोमबत्ती बाज और संयुक्त राष्ट्र संघ सभी इस विषय में कमोबेश बोले या नहीं यह तो नहीं पता किन्तु इन कश्मीरी पंडितों की समस्या का कोई ठोस हल अब तक नहीं निकला यह समूचे विश्व को पता है ये सच से मूंह मोड़ने और शुतुरमुर्ग होनें का ही परिणाम है कि कश्मीरियों के साथ हुई इस घटना को शर्मनाक ढंग से स्वेक्छ्या से पलायन बताया गया! इस घटना को राष्ट्रीय मनावाधिकार आयोग ने सामूहिक नर संहार माननें से भी इंकार किया; ये घोर अन्याय और तथ्यों की असंवेदी अनदेखी है!! नरेन्द्र मोदी सरकार कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास हेतु प्रतिबद्ध है और वह इस प्रतिबद्धता को दोहराती रही है।

क्या इरडा बीमा कंपनियों की नकेल कस सकेगा?

बीमा कंपनियों के बारे में हाल ही में इरडा (भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण) ने एक रिपोर्ट जारी की है कि बीमा कंपनियां बीमा खरीदार द्वारा किए 100 रूपये के भुगतान पर 86 रूपये ही क्लेम देती हैं। इस रिपोर्ट में और भी बहुत कुछ है किंतु इरडा ने यह नहीं बताया कि कम भुगतान करने वाली कंपनियों पर इरडा क्या कार्रवाई कर रही है? कितने मामलों में उसने पूरा भुगतान कराया? इस व्यवस्था में सुधार के लिए उसके द्वारा किए गए निर्णय क्या हैं? बिल प्राप्त हो जाने के बाद बिलों भुगतान क्यों नहीं हो रहा? भुगतान में विलंब की अवधि का उपभोक्ता को सूद क्यों नहीं दिलाया जा रहा? भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) की हालिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि सामान्य, स्वास्थ्य और सरकारी बीमा कंपनियां 100 रुपये का प्रीमियम लेकर सिर्फ 86 रुपये ही क्लेम देती हैं। कुछ बीमा कंपनियां तो 100 रुपये के एवज में 56 रुपये ही क्लेम दे रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023-24 में सामान्य बीमा कंपनियों ने पॉलिसीधारकों को दावे के एवज में 76,160 करोड़ रुपये का भुगतान किया। यह 2022-23 की तुलना में 18 फीसदी अधिक है। 2023-24 में बीमा कंपनियों ने कुल 83 फीसदी दावों का निपटान किया और 11 फीसदी खारिज कर दिया। छह फीसदी दावे 31 मार्च, 2024 तक लंबित रहे। इस अवधि में सामान्य और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों ने कुल 2.69 करोड़ स्वास्थ्य दावों का निपटान कर 83,493 करोड़ रुपये का भुगतान किया। प्रति क्लेम औसत रकम 31,086 रुपये रही। विश्लेषकों का कहना है कि प्रीमियम लेने और दावों के निपटान में क्रमश: 100 फीसदी और 80 फीसदी का औसत ठीक-ठाक है। कुल दावों में से 72 फीसदी थर्ड पार्टी (टीपीए) ने निपटाए। बाकी 28 फीसदी दावों का निपटान कंपनियों ने अपने तरीके से किया। 66.16 फीसदी दावे कैशलेस तरीके से निपटाए गए, जबकि 39 फीसदी में रिइंबर्समेंट मिला। सरकारी कंपनियों का क्लेम 100 रुपये के प्रीमियम के एवज में 90 रुपये से अधिक रहा है। नेशनल इंश्योरेंस ने 100 रुपये प्रीमियम लेकर 90.83 रुपये क्लेम दिया है। न्यू इंडिया ने 105.87 रुपये, ओरिएंटल ने 101.96 रुपये और यूनाइटेड इंडिया ने 109 रुपये क्लेम दिया है। सभी सरकारी बीमा कंपनियों का क्लेम औसत 103 रुपये रहा है। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) की हालिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि सामान्य, स्वास्थ्य और सरकारी बीमा कंपनियां 100 रुपये का प्रीमियम लेकर सिर्फ 86 रुपये ही क्लेम देती हैं। ये इरडा की रिपोर्ट है, जबकि सच्चाई कुछ और है। आप क्लेम मांग कर देखिए, ये कंपनियां कितना परेशान करती हैं। उपभोक्ता के बिल में मनमर्जी की कटौती तो आम बात है। इरडा जो बीमा कंपनियों पर नियंत्रण करती है। उनकी गतिविधियों पर रोक लगाती है। उसका कार्य है कि बीमा कंपनियों द्वारा अवैध रूप से रोके गए भुगतान दिलाए। उसके नियंत्रण के बावजूद क्यों नहीं बीमा कंपनियों पर सही से नियत्रंण नही हो रहा। इरडा ने कहा कि बीमा कंपनियां 100 रूपये के प्रीमियम पर 86 रूपया ही क्लेम दे रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि है। कुछ बीमा कंपनियां तो 100 रुपये के एवज में 56 रुपये ही क्लेम दे रही हैं। इरडा ने ये रिपोर्ट तो जारी कर दी किंतु यह नहीं बताया कि प्रीमियम की एवज में कम

भुगतान करने वाली बीमा कंपनियों के विरूद्ध वह क्या कार्रवाई कर रहा है? वह ऐसा कर कर रहा है कि बीमा कंपनियां पूरा भुगतान दें। उसे इस रिपोर्ट पर उठाए गए कदम और आदेश भी बताने चाहिए थे। दरअसल बीमा कंपनियों की भुगतन में मनमर्जी चलती है। बीमा कराने वाले की कोई नहीं सुनता। मेरा ओरियंटल इंशोरेंस कंपनी का दस लाख का मेडिक्लेम है। दस साल से पुरानी पोलिसी है। पहले यह बीमा पांच लाख रूपये का था। लगभग छह साल पहले मैंने इसे बढ़ाकर दस लाख का करा लिया। दस लाख में मैं और मेरी पत्नी दोनों कवर है। मैंने लगभग चार साल पहले अपनी पत्नी की आंख का मोतियाबिंद का आपरेशन देहरादून के अमृतसर आई क्लीनिक में कराया। कंपनी का कहना है कि मोतियाबिंद के आपरेशन में हम चालीस हजार रूपये का भुगतान करेंगे। आपने खर्च कितना ही किया हो, हमें इससे कुछ नहीं लेना। मैंने दोनों आखों के आपरेशन का 40-40 हजार रूपये का बिल कंपनी को भेजा। पहले आपरेशन का इन्होंने अपनी मनमर्जी से 22 हजार का भुगतान किया। दूसरी आंख का चालीस हजार रूपये का भुगतान दिया। मैंने लिखा पढ़ी की तो उत्तर आया कि हम कर सकते हैं। हमने कर दिया। काफी लिखा पढ़ी करने और धमकाने पर काफी समय बाद बचे 18 हजार रूपये भुगतान किया। इसके बाद मैंने घुटनों का ट्रांसप्लांट कराया। पहले घुटने का बिल भेजा। दो लाख 38 हजार का। इन्होंने भुगतान किया दो लाख 36 हजार का। दूसरे घुटने के आपरेशन का बिल बना दो लाख 42 हजार। इन्होंने इस भुगतान किया दो लाख 38 हजार। यह ठीक था। इतनी कटौती हो सकती है। इस पर किसी भी उपभोक्ता को आपत्ति नहीं होगी। पिछले साल मैं छोटे बेटे के पास राजकोट में था। वहां मुझे बाईपास सर्जरी करानी पड़ी। इस सर्जरी का खर्च में इन्होंने करीब 70 हजार की कटौती की। इसमें 55 हजार के आसपास आपरेशन के दौरान अस्पताल द्वारा मुझे खिलाए भोजन के साथ ही आपरेशन में प्रयुक्त हुए सामान निडिल, ग्लोबज और सिरेंज आदि के व्यय की की गई। अब को इनसे पूछने वाला नही कि आपरेशन के दौरान अस्पताल में रहने के दौरान क्या मरीज भोजन नहीं करेगा? क्या बिना भोजन किए आठ दिन रहा जा सकता है? इंजेक्शन सिरेंज, निडील, ग्लोबस आदि के बिना आपरेशन हो सकता है, किंतु कोई सुनने वाला नहीं। ये मेरा ही नहीं औरों का भी ये ही किस्सा है।

बिलासपुर के ईस्ट पार्क होटल में चल रहा था जुआ

व्यापारी-बिल्डर समेत रसूखदार जुआरी और मैनेजर गिरफ्तार, आरोपियों से 3.50 लाख बरामद

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर के ईस्ट पार्क होटल के मैनेजर रूम में जुआ खेलते व्यापारी, बिल्डर समेत 10 रसूखदार जुआरी गिरफ्तार हुए हैं। इनके पास से 3 लाख 50 हजार रुपए बरामद किया गया है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

एसपी रजनेश सिंह को जानकारी मिल रही थी कि, शहर के बड़े होटलों में जुआ खिलाने का अवैध कारोबार चल रहा है। जिस पर उन्होंने प्रशिक्षु आईपीएस समेत थानेदारों को सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। रविवार की रात पुलिस अफसरों को खबर मिली कि अग्रसेन चौक स्थित होटल ईस्ट पार्क में जुआ चल रहा है। जिसके बाद पुलिस अफसरों ने टीम बनाकर छापेमारी की, जहां रूम नंबर 405 में शहर के कारोबारी, बिल्डर सहित रसूखदार जुआरी जुआ खेलते मिले। इस दौरान वो पैसे के बंडल रखकर ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगा रहे थे।

10 जुआरी गिरफ्तार, मैनेजर को भी बनाया आरोपी: पुलिस ने सभी जुआरियों को पकड़ लिया। जिसके बाद उन्हें पकड़कर थाने लेकर गई। तलाशी लेने पर उनके पास से 3 लाख 50 हजार रुपए बरामद किया गया। 10 जुआरियों के साथ ही होटल के मैनेजर याशीर ईकबाल को भी आरोपी बनाया गया है।

फर्जी नाम लिखवा रहे थे कारोबारी, एफआईआर की चेतावनी: पुलिस जब पकड़े गए जुआरियों का नाम पता पूछ रही थी, तब ज्यादातर लोग फर्जी नाम पता दर्ज करा रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस अफसरों ने कहा कि, गलत नाम लिखाने पर उनके खिलाफ अलग से एफआईआर दर्ज की जाएगी। तब डरे-सहमे कारोबारियों ने अपना नाम बताया।

जुआरियों को छुड़ाने पहुंचे होटल संचालक: होटल में पुलिस की छापेमारी और जुआरियों के पकड़े जाने की खबर मिलते ही होटल संचालक रितूराज वाजपेयी भी सिविल लाइन थाने पहुंच गए। यहां उन्होंने टीआई एसआर साहू से उन्हें छोड़ने के लिए दबाव बनाने लगे। लेकिन, पुलिस अफसरों की मौजूदगी में उन्होंने जुआरियों को कार्रवाई करने की बात कही।

पकड़े गए शहर के रसूखदार जुआरी:-

तेजेश्वर वर्मा (41) पिता रामाधार निवासी अशोक नगर सरकंडा बिलासपुर।

किशोर कुमार (57) पिता वी दास निवासी रायपुर रोड, बोदरी चकरभाठा, बिलासपुर।

रमेश अग्रवाल (68) पिता गोपाल अग्रवालनिवासी साकेत अपार्टमेंट अग्रेसन चौक, बिलासपुर।

सुनील कुमार (57) पिता आरके अग्रवाल निवासी चाटीडीह सरकंडा, बिलासपुर।

पारूल राय (38) पिता आरके राय निवासी 27 खोली सिविल लाइन, बिलासपुर।

हरवंश लाल (74) पिता एमआर अजमानी निवासी दयालबंद बिलासपुर।

शारदा मिश्रा (60) पिता एसके मिश्रा निवासी मंगला चौक थाना सिविल लाइन, बिलासपुर।

याशीर ईकबाल (50) पिता कमलाउद्वीन निवासी परिजात हाईट सिविल लाइन, बिलासपुर।

केशव प्रसाद लहरे (50) पिता रथराम निवासी रामालाइफ सिटी सकरी, बिलासपुर।

प्रशांत नारग (43) पिता मनोहर लाल निवासी 27 खोली सिविल लाइन, बिलासपुर।

राजेंद्र कुमार (65) पिता एमपी अग्रवाल निवासी शुभम विहार सिविल लाइन, बिलासपुर।

पेड़ से टकराई स्कॉर्पियो, पति-पत्नी की मौत

रामचरितमानस की प्रस्तुति देकर लौट रही थी मंडली, हादसे में बच्चा और ड्राइवर गंभीर

मीडिया ऑडीटर, बालोद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में रामचरितमानस की प्रस्तुति देकर लौट रही मंडली की स्कॉर्पियो कार पेड़ से टकरा गई।इस हादसे में स्कॉर्पियो में सवार पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गाड़ी का ड्राइवर और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना पिनकापार चौकी क्षेत्र के गिधवा मोड़ के पास की है, जहां तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सीधे पेड़ से जा टकराई। मृतक दंपति ग्राम मनकी (खपरी) के निवासी थे, जो रायपुर से रामचरितमानस की प्रस्तुति देकर वापस लौट रहे थे।

घायल बच्चा रायपुर रेफर: पुलिस के मुताबिक, हादसे में गंभीर रूप से घायल बच्चे को रायपुर रेफर किया गया है, जबकि अन्य घायलों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हादसे के बाद गाड़ी के उड़े परखच्चे: हादसे के बाद गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और खून से सनी हुई मिली। फिलहाल दुर्घटना के सटीक कारणों का पता जांच के बाद ही चल पाएगा।

सहायक उप निरीक्षक सतीश महोबिया ने जानकारी देते हुए बताया कि मैं अभी परिवार वालों के पास हूं और पूछताछ कर रहा हूं। अभी जांच चल रही है। जांच के बाद ही हम किसी नतीजे पर पहुंच पाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस घटना में 45 वर्षीय पुरुषोत्तम यादव और 40 वर्षीय जानकी यादव की मौत हो गई है। दोनों पति -पत्नी थे। दोनों ग्राम मनकी के निवासी हैं।

हादसे में उनके दोनों बच्चे बुरी तरह से घायल हैं, जिनका नाम रीना यादव और हर्ष कुमार यादव है जिसे रायपुर रेफर किया गया है। इसके साथ ही संबलपुर निवासी उदय सिंह साहू और वाहन चालक रूपेश कुमार घायल है।

मांझे से कटी गर्दन, मासूम की मौत, पिता के साथ बाइक से गार्डन जा रहा था, महिला वकील का भी गला-अंगूठा कटा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में पतंग के मांझे ने एक 7 साल के बच्चे की जान ले ली है। जबकि महिला वकील भी मांझे में फंसकर बुरी तरह जख्मी हो गई। महिला का गला और अंगूठे का हिस्सा कट गया है। यह दोनों घटना शहर के अलग-अलग थाना इलाके की है। फिलहाल, पुलिस दोनों मामले की जांच कर रही है।

पहला मामला: टिकरापारा थाना इलाके में धनेश साहू अपने बच्चे पुष्कर साहू के साथ बाइक से रविवार शाम 5 संतोषी नगर से कटोरा तालाब गार्डन घूमने जा रहे थे। तभी पचपेड़ी नाका के पास अचानक एक मांझा बच्चे के गले के पास फंस गया। वो बुरी तरह जख्मी हो गया। धनेश ने गाड़ी रोककर जैसे-तैसे मांझे को बाहर निकाला।

एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल लेकर गए, मौत: उसके पिता उसे पास के ही एक निजी अस्पताल लेकर गए। लेकिन इलाज नहीं हो पाया। फिर उसे मेकाहारा रेफर किया गया। जहां बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद बच्चे के घर वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। टिकरापारा पुलिस बच्चे का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंपेगी।

महिला वकील भी बुरी तरह घायल:-

दूसरा मामला: रायपुर के पंडरी मॉल के पास एक्सप्रेस-वे पर महिला वकील पूर्णशा कौशिक स्कूटी से जा रही थी। इसी दौरान मांझा उनके गले पर आ गया। जिससे उनके गले में लंबा कट लग गया। जब वो जान बचाने के लिए हड़बड़ाते हुए मांझे को निकालने की कोशिश की तो उनके हाथ का अंगूठा भी कट गया। आसपास मौजूद लोग उन्हें अस्पताल लेकर गए, जहां इलाज कराया गया।

तेज धार वाले चाइनीस मांझा होने की आशंका: आमतौर पर पतंग उड़ाने के लिए दो तरह के मांझे का इस्तेमाल होता है। पहला सूती मांझा और दूसरा चाइनीज मांझा। सूती मांझे की अपेक्षा चाइनीज मांझा ज्यादा खतरनाक होता है। यह नायलॉन का बना होता है। इस मांझे पर कांच या मैटेलिक पाउडर से धार लगाई जाती है।

यही वजह है कि ये सूत के मांझे से ज्यादा शार्प होती है। यह सामान्य मांझे की तुलना में कई गुना धारदार होती है। साथ ही बिजली के तार से संपर्क में आने पर चाइनीज मांझे में करंट भी आ सकता है।

चाइनीस मांझा खरीदना-बेचना अपराध: नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने साल 2017 से देश भर में नायलॉन या चाइनीज मांझे की खरीद, ब्रिकी, स्टोरेज और इस्तेमाल पर पाबंदी लगा रखी है। इसके बावजूद बहुत से लोग इसे खरीदते और बेचते हैं।

बच्चों से भरी बस-ट्रक में आमने-सामने भिड़ंत

ड्राइवर-शिक्षक की मौत, 30 छात्र घायल, बस के उड़े परखच्चे, टूर से लौटते वक्त हादसा

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव (एजेंसी)। कोंडागांव में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एजुकेशनल टूर से लौट रही स्कूली बच्चों से भरी बस और ट्रक की भीषण टक्कर हो गई, जिसमें बस चालक और एक शिक्षक की मौत हो गई। वहीं 30 छात्र घायल हो गए। हादसा नेशनल हाइवे 30 पर कोंडागांव सिटी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चिकलपुटी में नया बस स्टैंड के सामने आज (सोमवार) सुबह 3 से 4 बजे के बीच हुआ।

जानकारी के अनुसार जिला मोहला मानपुर के केवाटोला प्राथमिक और मध्यमिक शाला के छात्र और शिक्षक तीरथगढ़, चित्रकूट, दंतेवाड़ा और बारसूर का टूर कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान ह्वा-30 पर हादसा हो गया। इस दुर्घटना में घायल सभी 30 छात्रों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 4 की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घायल कल्पना साहू (13) को रायपुर रेफर किया गया है।

घायल बच्चों का अस्पताल में इलाज जारी: इस घटना के बाद चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत ही इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में घायल बच्चों का इलाज जारी है।

13 से 15 साल के हैं घायल छात्र: पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। स्कूल प्रशासन ने घायल छात्रों के परिजनों को सूचित कर दिया है। सभी घायलों की उम्र 13 से 15 वर्ष के बीच बताई जा रही है। मृतकों में शिक्षक राजकुमार भूआर्य और बस चालक दिलीप राजपूत शामिल हैं। पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

हादसे में घायल छात्रों के नाम: इधर, घायलों में भूमिका साहू, चंद्रमुखी, गिरजा बाई, संध्या, महिमा, वैशाली, गिरजा विश्वकर्मा, टिंकल साहू, विकेश काटेंद्र, धनंजय गठिया, कुंदन साहू, पायल साहू, पूर्णिमा साहू,

जोन के जीएम ने अधिकारियों को लगाई फटकार

भिलाई रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण, कुछ दिन पहले बनी सड़क उखड़ी, कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भिलाई (एजेंसी)। एएसईसीआर में बिलासपुर रेलवे जोन के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने रविवार को भिलाई-3 रेलवे स्टेशन समेत यार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने अव्यवस्था और गुणवत्ताहीन काम को लेकर अधिकारियों को जमकर फटकार भी लगाई।

दरअसल, महाप्रबंधक तरुण प्रकाश रविवार सुबह सवा 11 बजे विशेष सेलून से भिलाई-3 रेलवे स्टेशन पहुंचे। स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-3 पर उतरने के बाद वो प्लेटफार्म नंबर-1 पर पहुंचे और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हुए विकास कार्यों का अवलोकन किया। जीएम ने महिला, सामान्य यात्री प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, पेयजल और प्रसाधन सुविधा समेत स्टेशन के बाहर पार्किंग स्थल का जायजा लिया। उन्होंने वहां काफी अव्यवस्था पाई। उन्होंने यात्री प्रतीक्षालय में रखी टूटी कुर्सियों को देखकर नाराजगी जताई।

अंडरब्रिज की सड़क उखड़ी: इसके बाद वो सिरसा गेट अंडरब्रिज में बनी नई सड़क पर पहुंचे। उन्होंने पाया कि जिस सड़क को 23 दिन तक अंडरब्रिज बंद रखकर बनाया गया, उसकी नई सड़क कुछ ही दिन में उखड़ गई। महाप्रबंधक ने नई सड़क की हालत और गुणवत्ताहीन काम को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई।

इसके बाद अधिकारियों को निर्देश दिया कि वो अंडरब्रिज की सड़क का दोबारा निरीक्षण करें और गुणवत्ता जांच के बाद जिम्मेदार ठेकेदार पर कार्रवाई करें।

दिव्यांगों के लिए बनेगा रैंप: निरीक्षण के दौरान जीएम ने दिव्यांग जनों के लिए एक नंबर प्लेटफार्म से दूसरे में आने जाने के लिए जीआरपी थाने के छोर पर रैम्प बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों का डांटते हुए कहा कि, जब स्टेशन का पुनर्निर्माण हो रहा था, तब रैंप बनाने का ध्यान कहां था।

अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों को आवंटित शासकीय वाहनें होंगे वापस

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नगरपालिका निर्वाचन 2024-25 की घोषणा आज दिनांक 20 जनवरी 2025 को हो चुकी है, एवं आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। नगरपालिका निर्वाचन 2024-25 की प्रक्रियाओं के समापन तक के लिए केन्द्रीय/राज्य सरकार के स्थानीय निकाय के अध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को उनके पदीय दायित्वों के निर्वाह हेतु आवंटित शासकीय वाहनों का दुरूपयोग रोकने के लिए वापस लेना आवश्यक है।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा,105 लोगों ने दिए दस्तावेज, जांच में फंसेंगे कई अफसर, कमेटी कर रही राजस्व रिकार्ड और दस्तावेजों की जांच

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर शहर से लगे मोपका की सरकारी जमीन पर 150 से अधिक लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। कलेक्टर के निर्देश पर बनी जांच कमेटी के सामने अब तक 105 लोगों ने दस्तावेज प्रस्तुत किया है, जिसमें उन्होंने जमीन को अपना होने का दावा किया है। ऐसे में सवाल उठता है कि सरकारी जमीन को किस सक्षम अधिकारी के निर्देश पर परिवर्तित किया गया है। जांच के बाद इसका खुलासा होगा।

दरअसल, मोपका स्थित खसरा नंबर 992 और 993 की भूमि सरकारी है, जिस पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। मामला सामने आने पर कलेक्टर अवनीश शरण ने जांच के लिए 17 सदस्यीय टीम गठित की है। कमेटी ने जमीन का सीमांकन करने के साथ ही अवैध कब्जाधारियों को नोटिस जारी किया था, जिसमें अब तक 105 लोगों ने अपने दस्तावेज पेश कर कब्जे की जमीन पर अपना स्वामित्व बताया है। कमेटी में शामिल अफसर उनके दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। पता चला है कि सरकारी जमीन को परवर्तित किया गया है।

राजस्व रिकार्ड में है छोटे-बड़े झाड़ का जंगल: मोपका की खसरा नं. जमीन 992 व 993 शासकीय दस्तावेजो में बड़े व छोटे झाड़ के जंगल के रूप में दर्ज है। उक्त खसरा नंबर तक 150 से अधिक लोगों का कब्जा है। शासकीय जंगल भूमि पर अवैध कब्जा करने का मामला सामने आने के बाद कलेक्टर अवनीश शरण ने एक जनवरी को जांच के आदेश दिए थे। उन्होंने इसके लिए अपर कलेक्टर आरए कुरुवंशी की अध्यक्षता में 17 सदस्यीय टीम का गठन किया है।

यह है टीम जो कर रही जांच: अपर कलेक्टर आरए कुरुवंशी के नेतृत्व में एसडीएम पीयूष तिवारी, डीटी कलेक्टर शिवकुमार कंवर, तहसीलदार मुकेश देवांगन, भू अभिलेख अधीक्षक चांदनी ध्रुव, सहायक भू अभिलेख अधीक्षक जवाहर सिंह उरांव, राजस्व निरीक्षक संगीता सिन्हा, संजय कौशिक, ममता तिर्की, सुशील अनंत एक्का, रमेश नायक, विजय जोशी, कैलाशनाथ मिश्रा, सुनील कश्यप, पटवारी धनंजय साहू, कृष्णा यादव, रविशंकर पांडेय और विरेंद्र बहादूर सिंह दस्तावेज सत्यापन कर करने में लगे हुए है।

नगरपालिका निर्वाचन 2024-25 की घोषणा आज से आचार संहिता होगा प्रभावी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नगरपालिका निर्वाचन 2024-25 की घोषणा आज 20 जनवरी 2025 को कर दी गयी है। इसके साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, निर्वाचन प्रचार के लिए शासकीय वाहनों के उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया है। निर्देशानुसार केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, उनके सार्वजनिक उपक्रमों, स्थानीय निकायों, विपणन बोर्डों, सहकारी समितियों, स्वायत्त शासी परिषदों या अन्य किसी निकाय के वाहन किसी भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार या निर्वाचन प्रचार से संबंधित व्यक्ति द्वारा उपयोग नहीं किए जा सकेंगे।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि यह प्रतिबंध 20 जनवरी 2025 से लेकर निर्वाचन की समस्त प्रक्रियाओं के समापन तक प्रभावी रहेगा। यदि किसी उम्मीदवार या अधिकारी, जिन्हें पदीय दायित्वों के लिए शासकीय वाहन आवंटित है, द्वारा इस आदेश का उल्लंघन करते हुए वाहन का दुरुपयोग किया जाता है, तो छत्तीसगढ़ नगरपालिका निर्वाचन नियम 1994 के नियम 11(ख) के अंतर्गत ऐसे वाहन अधिग्रहित कर लिए जाएंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

आचार संहिता से 3 घंटे पहले सरकार की बड़ी घोषणाएं

स्वच्छता दीदियों का मानदेय 800 रुपए बढ़ा, भूमिहीन मजदूरों को मिलेंगे 10 हजार, योजना लॉन्च

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ सरकार ने आचार संहिता लगने से ठीक पहले करोड़ों के काम जनता के नाम किए हैं। सोमवार को दोपहर 3 बजे राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव की घोषणा की। हालांकि इससे पहले ही 11 से 12 बजे के बीच 2 बड़े आयोजनों में योजनाओं को लॉन्च किया गया।

425 करोड़ से ज्यादा के कामों का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया। सफाईकर्मी महिलाओं का मानदेय बढ़ा दिया गया है। माना जा रहा है कि निकाय चुनाव से ठीक पहले भाजपा सरकार शहरी और ग्रामीण वोटर्स को ध्यान में रखकर ये घोषणाएं की है।

इनको मिलेगा फायदा: भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना में भूमिहीन कृषि मजदूरों के साथ वनोपज संग्राहक भूमिहीन परिवार, चरवाहा, बढ़ई, लोहार, मोची, नाई, धोबी आदि पौनी-पसारी से जुड़े भूमिहीन परिवार भी शामिल हैं। इनके अलावा अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासियों के देवस्थल में पूजा करने वाले पुजारी, बैगा, गुनिया, मांझी परिवारों को भी शामिल किया गया है।

करोड़ों के प्रोजेक्ट, 353 नए पद भी मंजूर: सिविल लाइंस के न्यू सर्किट हाउस में योजना की लॉन्चिंग हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री दीनदयाल ऑडिटोरियम पहुंचे। यहां 425 करोड़ के प्रोजेक्ट जनता के नाम हुए। इसमें 270 करोड़ के 6 वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट रहे। 155.38 करोड़ के 813 कामों का शिलान्यास, 15.25 करोड़ के 70 कामों का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम में स्वच्छता दीदियों का सम्मान किया गया। नगरीय निकायों में काम करने वाले ऐसे कर्मचारी जिनका निधन हुआ, उनके परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति का आदेश सौंपा गया। 353 नए पद भी मंजूर किए गए हैं।

मिशन क्लीन सिटी के तहत क्लीन टायलेट कैंपेन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 14 नगरीय निकायों अंबिकापुर, छुरा, छुरिया, डोंगरगढ़, कोरबा, महासमुंद, रायपुर, राजनांदगांव, बिलासपुर, मंदिर हसौद और चंदखुरी को सम्मानित किया गया। स्वच्छ भारत मिशन में प्रदेशभर के नगरीय निकायों में 9232 स्वच्छता दीदियां काम कर रही हैं। ये रोजाना डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन और उससे जुड़े काम में लगी हुई हैं।

800 रुपए बढ़ा मानदेय: मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में स्वच्छता दीदियों का मानदेय प्रतिमाह 800 रुपए बढ़ाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों में स्वच्छता और डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करने में स्वच्छता दीदियों का बड़ा योगदान है। इनके लगन और मेहनत से ही स्वच्छता मिशन सफल हो पा रहा है।

9 हजार से ज्यादा स्वच्छता दीदी को 7200 रुपए मानदेय दिया जाता है। इसमें अब 800 रुपए बढ़ाकर 8 हजार रुपए मानदेय किया गया है। दीनदयाल ऑडिटोरियम में हुए इस कार्यक्रम का नाम नगरीय विकास के सोपान कार्यक्रम रखा गया था।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हेतु प्रतिनिधि का निर्वाचन 22 को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सचिव सह मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा एमसीबी द्वारा सूचना दिया गया है कि, जिले के अंतर्गत संचालित भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा एमसीबी में वर्ष 2024 से वर्ष 2027 तक प्रबंध समिति गठन हेतु सदस्य, चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, कोषाध्यक्ष एवं राज्य प्रबंध समिति का प्रतिनिधि का निर्वाचन किया जाना है। जिस संबंध में अध्यक्ष सह कलेक्टर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा एमसीबी के द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार जिला शाखा एमसीबी हेतु प्रबंध समिति के सदस्य एवं प्रतिनिधिगणों का निर्वाचन 22 जनवरी 2025 को समय दोपहर 02:00 बजे से स्थान कलेक्टर सभागार जिला-एमसीबी (छ.ग.) में आयोजित किया गया है। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा एमसीबी के समस्त आजीवन सदस्यगण को सूचित किया जाता है कि उक्त निर्धारित तिथि समय एवं स्थान कलेक्टर सभागृह में उपस्थित होने का कष्ट करें ताकि निर्वाचन कार्य संपन्न किया जा सके।

केरल में 24 साल की युवती को फांसी की सजा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के तिरुवनंतपुरम की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने सोमवार को 24 साल की एक युवती को फांसी की सजा सुनाई। युवती ने अक्टूबर 2022 में आयुर्वेदिक टॉनिक में जहर मिलाकर अपने बॉयफ्रेंड को पिलाकर उसकी हत्या कर दी थी। युवती की शादी कहीं और तय हो गई थी, इसलिए उसने बॉयफ्रेंड से पीछा छुड़ाने के लिए उसकी जान ले ली। उसके चाचा निर्मला कुमारण नायर को हत्या में साथ देने और सबूत मिटाने का दोषी पाया गया गया, उसे 3 साल की सजा सुनाई गई। जबकि युवती की मां को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। कोर्ट ने 586 पन्नों के अपने फैसले में कहा- अपराध की गंभीरता के सामने दोषी की उम्र और अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखने की जरूरत नहीं है। ग्रीष्मा ने प्लानिंग करके शेरोन की हत्या की। गिरफ्तारी के बाद उसने अपनी जान देने की कोशिश की थी, जिससे जांच को भटकाया जा सके।

राहुल की नड्डा को चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को लेटर लिखा। इसमें दिल्ली एम्स में इलाज कराने आए मरीजों और उनके तीमारदारों (अटेंडरों) की स्थिति के बारे में बताया। राहुल ने 18 जनवरी को ऐसा ही लेटर दिल्ली की सीएम आतिशी? को भी लिखा था। राहुल ने लिखा- मैं आपको ये लेटर दिल्ली एम्स के बाहर की चिंताजनक स्थिति पर लिख रहा हूं। कड़ाके की ठंड में सैकड़ों मरीज और उनके परिजन बाहर फुटपाथ पर बैठे रहते हैं। उनके पास पतले कंबल हैं। पीने के पानी और शौचालय की सुविधा नहीं है। दरअसल, राहुल गांधी ?16 जनवरी की रात एम्स के बाहर बैठे मरीजों और उनके परिजनों से मिले थे। राहुल ने सभी से पूछा था कि उनको किन दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राहुल ने इस मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो भी ङ्ग पर शेयर कीं थीं। उन्होंने लिखा था- बीमारी का बोझ, ठिठुराने वाली सर्दी, और सरकारी असंवेदनशीलता- आज, एम्स के बाहर उन मरीजों और उनके परिवारों से मिला, जो दूर-दराज से इलाज की आस में आए हैं।

सैफ पर हमले का आरोपी बांग्लादेश में कुश्ती खिलाड़ी था

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर सैफ अली खान पर हमले की जांच कर रही मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी बांग्लादेश में कुश्ती का खिलाड़ी था। पुलिस ने रविवार को शरीफुल इस्लाम को इस केस में गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद क्राइम ब्रांच ने कहा, शरीफुल जिला और नेशनल लेवल पर कुश्ती खेल चुका था। कुश्ती प्लेयर होने की वजह से शरीफुल सैफ पर भारी पड़ा। वारदात के बाद वो बस स्टैंड पर सोया। ठाणे जाने से पहले उसने कपड़े बदले। वो वर्ली के एक पब में काम करता था, जहां से उसे चोरी करने पर निकाला गया था। शरीफुल सितंबर में मुंबई आया था। पाइप के सहारे सैफ के अपार्टमेंट तक पहुंचा था शरीफुल सैफ अली खान के बांद्रा स्थित घर पर मुंबई पुलिस क्राइम सीन रीक्रिएट कर सकती है।

मुख्यमंत्री ने 21वें आयुर्वेद पर्व के अंतर्गत राष्ट्रीय सेमिनार और आरोग्य मेले का किया शुभारंभ

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि आयुर्वेद के माध्यम से ही सौ वर्ष जीने के लक्ष्य को साकार कर जीवते शरद्-शतम्-के भाव को सिद्ध किया जा सकता है। आयुर्वेद, आयु की प्रत्येक अवस्था में बेहतर जीवन जीने का प्रमाणिक मार्ग है। परमात्मा ने प्रकृति में ही हर व्याधि के लिए औषधि दी है, इस तथ्य का सर्वाधिक ज्ञान और उसे व्यवहार में लाने की क्षमता आयुर्वेद में

नीहित है। वनस्पतियों की जानकारी और योग की क्षमता से व्यक्ति स्वस्थ रहने के मार्ग का अनुसरण कर सकता है। आयुर्वेद हजारों साल पुरानी परंपरा है, संपूर्ण विश्व इसका अनुसरण करने के लिए तत्पर है और भारत आयुर्वेद की विधा का राजदूत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय ज्ञान परंपरा की इस विधा को वैश्विक स्तर पर विस्तार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के दोषी को उम्रकैद

कोलकाता (एजेंसी)। संजय रॉय को घटना के दूसरे दिन 10 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। 162वें दिन दोषी ठहराया गया। 164वें दिन सजा सुनाई गई। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में 8 अगस्त की रात को ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर के दोषी संजय रॉय को उम्रकैद (मरते दम तक जेल) की सजा सुनाई गई और 50 हजार का जुर्माना लगाया। सियालदह कोर्ट के जज अनिर्बान दास ने सोमवार, दोपहर 2:45 बजे सजा सुनाते हुए कहा, यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला नहीं है। मौत की सजा नहीं दी सकती। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वह पीड़ित परिवार को 17 लाख रुपए मुआवजा दे। हालांकि परिवार ने इसे लेने से इनकार कर दिया। फैसला सुनाने से पहले दोपहर 12:30 बजे कोर्ट ने दोषी संजय, सीबीआई और पीड़ित परिवार की बातें सुनीं। संजय से कहा- यह बताया जा चुका है कि तुम किन अपराधों के दोषी हो।

देश में आटा-बेसन, सीमेंट को हलाल सर्टिफिकेट दिया जा रहा

नई दिल्ली। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि देश में नॉन-मीट प्रोडेक्ट्स को भी हलाल सर्टिफिकेट दिया जा रहा है। एक मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि आटा, बेसन और पानी की बोतल जैसे प्रोडक्ट्स भी इस लिस्ट में शामिल हैं। उन्होंने पूछा कि बेसन कैसे हलाल या गैर-हलाल हो सकता है। बात खाने-पीने की चीजों की नहीं है। सीमेंट और सरिया जैसी चीजों को भी यह सर्टिफिकेट दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि हर प्रोडेक्ट पर

हलाल सर्टिफिकेट देने वाली निजी एजेंसियां लाखों करोड़ रुपए कमा रही हैं। हलाल सर्टिफिकेट लेने की लागत को भी कंपनी प्रोडेक्ट की कीमत में जोड़ देती है। इससे कीमत बढ़ जाती है।

मार्च के आखिरी हफ्ते में होगी अगली सुनवाई जस्टिस बी आर गवई और ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने याचिकाकर्ताओं को केंद्र के हलफनामे पर जवाब देने को कहते हुए सुनवाई मार्च के अंतिम सप्ताह के लिए टाल दी। कोर्ट ने कहा कि उसने यूपी सरकार को पहले आदेश दिया था कि वह इस मामले में कोई दंडात्मक कार्रवाई न करें। वह आदेश फिलहाल जारी रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला- जेल से चुनाव लड़ने पर रोक लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि जेल में बंद सभी लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच के सामने सोमवार को केस लिस्ट था, लेकिन सुनवाई हो नहीं सकी। ताहिर की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ अग्रवाल ने मंगलवार को सुनवाई करने का अनुरोध किया। इस पर जस्टिस मित्तल ने कहा- अब तो जेल में बैठकर चुनाव लड़ते हैं। जेल में बैठकर चुनाव जीतना आसान है। इन सभी को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। इस पर ताहिर के वकील ने कहा कि ताहिर का नामांकन स्वीकार किया जा चुका है। इस पर कोर्ट ने मामले को मंगलवार के लिए लिस्ट कर लिया। आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर को असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मुस्तफाबाद सीट से टिकट दिया है। हाईकोर्ट ने नामांकन के लिए कस्टडी पैरोल दी थी ताहिर पर दिल्ली दंगों के दौरान 25 फरवरी 2020 को अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या करने का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट ने रोड-सेफ्टी उपायों पर राज्यों से जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों में रोड सेफ्टी उपाय और मोटर व्हीकल एक्ट के नियमों को लागू करने के मामले में सुनवाई की। जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की बेंच ने नियमों को लेकर 23 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों से जवाब मांगा। बेंच ने कहा- 5 राज्यों, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली ने रिपोर्ट भेजी है। 23 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश ने रिपोर्ट नहीं दी है। राज्य सरकारों को एक्सीडेंट वाली स्पॉट, जंक्शन और 10 लाख से

ज्यादा आबादी वाले शहरों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगाने की जरूरत है।

बेंच ने बाकी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द रिपोर्ट दाखिल करें। इसे रोड सेफ्टी पर बनाई गई सुप्रीम कोर्ट की कमेटी के पास भेजा जाएगा। कोर्ट ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को भी राज्यों को आदेश देने का निर्देश दिया।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 2 सितंबर 2024 को सभी राज्य सरकारों को मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 की धारा 136ए को लागू करने का निर्देश दिया था। जो तेज गति से चलने वाले वाहनों की इलेक्ट्रॉनिक रूप से निगरानी करने की परमिशन देता है।

बदलापुर यौन शोषण-आरोपी के एनकाउंटर में 5 पुलिसकर्मी जिम्मेदार

मुंबई (एजेंसी)। पुलिस ने 24 साल के आरोपी अक्षय शिंदे को 17 अगस्त को यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया था। 23 सितंबर को अक्षय की पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई थी। महाराष्ट्र के बदलापुर में 12 अगस्त 2024 को 2 बच्चियों के साथ हुए यौन शोषण की घटना हुई थी, जिसके मुख्य आरोपी अक्षय शिंदे की 23 सि तंबर को पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई थी। एनकाउंटर की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए गए थे। अब ये रिपोर्ट 4 महीने बाद 20 जनवरी को बॉम्बे हाईकोर्ट में पेश की गई।

शाह पर टिप्पणी मामला- राहुल पर केस नहीं चलेगा

रांची (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने झारखंड सरकार और भाजपा नेता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

2019 के लोकसभा चुनावों से पहले झारखंड के चाईबासा में अपने एक भाषण के दौरान राहुल ने अमित शाह को हत्यारा बताया था। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा ने उन पर शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के

आरोप में मानहानि का केस किया था। सुनवाई के दौरान राहुल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि कई न्यायिक फैसलों में कहा गया है कि केवल पीड़ित व्यक्ति ही आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज करा सकता है। शिकायत किसी तीसरे पक्ष की ओर से दायर की गई थी। मानहानि मामले में ऐसा करना स्वीकार्य नहीं है। 2018 में भी चाईबासा में हुए कांग्रेस के अधिवेशन में राहुल ने कहा था, भाजपा में कोई भी हत?यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। उस वक्त शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर थे। राहुल के इस बयान के बाद भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रताप कटियार ने चाईबासा के सीजेएम कोर्ट में केस दर्ज कराया था।

सोपोर में आतंकियों से मुठभेड़ में घायल जवान शहीद

सोपोर (एजेंसी)। कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के बारामूला जिले के जालोरा गांव में चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल जवान को इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती किया गया, जहां उसकी मौत हो गई। रविवार को सुरक्षा बलों और पुलिस ने सोपोर के जालोरा गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया था। यह गांव सोपोर से कुछ किलोमीटर दूर है। मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब सोपोर पुलिस के साथ 22 राष्ट्रीय राइफल्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 179वीं बटालियन पर आतंकियों ने फायरिंग कर दी।

सुरक्षा बलों के मुताबिक रविवार शाम अंधेरा बढ़ने के बाद जालोरा के गुज्जरपति इलाके में चल रहा ऑपरेशन रोक दिया गया था। जिसे सोमवार सुबह दोबारा शुरू किया गया। आतंकियों को भागने से रोकने के लिए पूरे इलाके में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।

हिमाचल समेत 3 राज्यों में बर्फबारी, 11 में कोहरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में लगातार बर्फबारी हो रही है। बर्फीली हवाओं के कारण हिमाचल के तीन शहरों में तापमान माइनस में पहुंच गया। सबसे कम तापमान ताबो में माइनस 5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यहां अगले 4 दिनों तक बर्फबारी की संभावना है। इसके अलावा देश के 11 राज्यों में सोमवार सुबह घना कोहरा भी देखने को मिला। मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड के अलावा नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में विजिबिलिटी घटी। दिल्ली में धुंध के कारण 19 ट्रेनें लेट हुईं।

बर्फीली हवाओं के चलते उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तापमान 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। इटावा में पारा 5 डिग्री तक पहुंचा। अयोध्या में ठंड के कारण 5वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए। वहीं, 6ठवीं से 12वीं तक के स्कूलों की टाइमिंग बदली गई है।

पंजाब में भी शीतलहर के चलते सर्दी का असर लगातार बना हुआ है। अमृतसर में सोमवार सुबह पारा 4.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने कहा कि यहां अगले 24 घंटे में तापमान में और गिरावट हो सकती है। उधर, मध्य प्रदेश और राजस्थान में शीतलहर का अलर्ट नहीं है, लेकिन तापमान में गिरावट का दौर जारी है। एमपी के शहडोल में पारा 3.4 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं, राजस्थान के भी 12 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया।

जालंधर के कुल्हड़-पिज्जा कपल ने छोड़ा भारत

जालंधर (एजेंसी)। पंजाब के जालंधर का मशहूर कुल्हड़ पिज्जा कपल एक बार फिर चर्चा में हैं। पिछले काफी समय से विवादों से घिरा हुआ कपल ने अब भारत छोड़ने का फैसला लिया है। चर्चा है कि कुल्हड़ पिज्जा दंपती सहज अरोड़ा और रूप अरोड़ा अपने बेटे के साथ पंजाब (भारत) छोड़कर ब्रिटेन चले गए हैं। पिछले कुछ महीनों में दंपती को कई विवादों का सामना करना पड़ा रहा था। उन्हें जान से मारने की धमकियां भी मिल रही थी। जिसके कारण उन्होंने यह फैसला लिया है।

मशहूर कुल्हड़ पिज्जा कपल ने एक दूसरे को सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अनफॉलो कर दिया था। शहर में दोनों के बीच तलाक की चर्चा छिड़ी हुई थी। हालांकि अब दोनों एक साथ अपने बच्चे सहित यूके मूव होने जा रहा हैं। बता दें कि हाल ही में सहज अरोड़ा की पत्नी गुरप्रीत कौर का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक होने की जानकारी कपल द्वारा साझा की गई थी। मगर बात में अकाउंट को रिकवर कर लिया गया था।

किसानों ने दिल्ली कूच टाला

पटियाला (एजेंसी)। हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर से किसान कल दिल्ली कूच नहीं करेंगे। सोमवार को किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवन सिंह पंधेर ने शंभू बॉर्डर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि फिलहाल दिल्ली कूच टाल दिया गया है। वहीं, डल्लेवाल से भी अनुरोध किया कि वे खानपान शुरू करें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 14 फरवरी से पहले मीटिंग करे। ये मीटिंग चंडीगढ़ की बजाय दिल्ली में होनी चाहिए। डॉ. स्वयमान के कहने पर डल्लेवाल से अपील है कि खानपान भी लें और जल्दी स्वस्थ हों, ताकि टेबल व ग्राउंड पर भी मोदी सरकार को हरा सकें। इससे पहले सुबह पंधेर ने कहा था कि दिल्ली कूच करेंगे। केंद्र सरकार किसानों में फूट डालने की कोशिश में है। केंद्र ने किसानों को 14 फरवरी को चंडीगढ़ में बातचीत का न्योता दिया है। फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गारंटी कानून समेत अन्य मांगों को लेकर संयुक्त किसान

मोर्चा ने आज (20 जनवरी) पंजाब-हरियाणा समेत देशभर में लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के आवास का घेराव करने का ऐलान किया था। हालांकि, केंद्र से बातचीत का न्योता मिलने के बाद एसकेएम ने कहा कि सभी किसान घेराव करने की बजाय ई-मेल के जरिए सांसदों को मांगों का ज्ञापन भेजें। 26 जनवरी को देशभर में ट्रैक्टर मार्च निकाले जाएंगे। नेता दर्शनपाल सिंह ने कहा था कि सांसदों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक संदेश भेजने का प्रयास किया जाएगा

, ताकि किसानों से जल्द बातचीत शुरू हो सके। शनिवार देर रात को किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को डॉक्टरों की टीम ने ग्लूकोज चढ़ाया था।

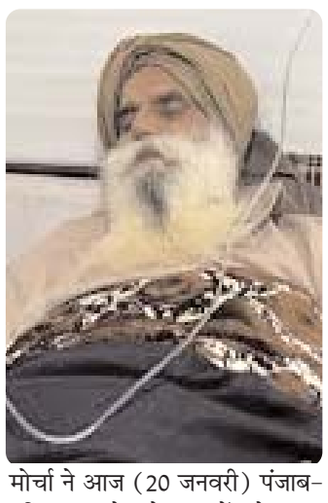

शनिवार देर रात को किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को डॉक्टरों की टीम ने ग्लूकोज चढ़ाया था।

डल्लेवाल बोले- अनशन जारी रहेगा: केंद्र सरकार की और से 14 फरवरी को बातचीत का प्रस्ताव आने के बाद भी डल्लेवाल ने साफ कर दिया है कि वह स्क्क पर गारंटी कानून लागू न होने तक कुछ नहीं खाएंगे। उनका अनशन जारी रहेगा। हालांकि, किसानों के कहने पर शनिवार देर रात से मेडिकल सुविधा ले रहे हैं। डॉक्टरों ने उन्हें ग्लूकोज चढ़ाया हुआ है।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव पर हाईकोर्ट का फैसला, चुनाव की तारीख 29 जनवरी तक टली

चंडीगढ (एजेंसी)। चंडीगढ़ में मेयर चुनाव 29 जनवरी तक टाल दिए गए हैं। चुनाव की तारीख और चुनाव प्रक्रिया को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने आज (सोमवार) यह फैसला सुनाया है। हालांकि, जिस समय कोर्ट का फैसला आया, उस समय सभी राजनीतिक दलों के नेता नामांकन दाखिल करने नगर निगम भवन पहुंचे हुए थे। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने चुनाव प्रक्रिया और चुनाव की तारीख को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 1. एडवोकेट फेरी सोफ्त ने बताया कि हाईकोर्ट में हमारी ओर से दायर याचिकाओं में दो तर्क दिए गए थे। जिसमें से एक चुनाव की तिथि को लेकर था। मेयर कुलदीप सिंह ने याचिका में कहा था कि उनका कार्यकाल फरवरी तक है। लेकिन पहले चुनाव करवाकर नियम का

उल्लंघन किया जा रहा है। जिसके बाद कोर्ट ने सभी तर्क सुने। मेयर ने तर्क दिया कि उन्होंने 20 फरवरी 2024 को कार्यकाल संभाला था। जबकि 24 जनवरी को चुनाव होने के कारण उनका कार्यकाल पूरा नहीं हो रहा है। कोर्ट ने आदेश दिया कि पिछले साल मेयर का चुनाव 30 जनवरी को हुआ था। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी माह में अपना फैसला सुनाया था। ऐसे में मेयर का कार्यकाल 29 जनवरी तक रखा गया है। प्रशासन को बताया गया है कि 29 के बाद चुनाव करवाए जा सकते हैं।

चुनाव प्रक्रिया को लेकर तर्क बताया गया कि नगर निगम में 29 अक्टूबर को प्रस्ताव पारित किया गया था। इसमें स्पष्ट किया गया था कि मेयर का चुनाव हाथ उठाकर करवाया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया के लिए कोर्ट ने कहा है कि प्रशासन इस पर पुनर्विचार करे। क्योंकि प्रस्ताव पास हो चुका है। प्रशासन ने अभी तक इसे मंजूरी नहीं दी है। वीडियोग्राफी और उसकी सुरक्षा और चुनाव अधिकारी को लेकर आदेश जारी किए गए हैं।

बीजेपी बोली- हाईकोर्ट के आर्डर की कॉपी अभी नहीं आई इस मौके भाजपा के नेता सीनियर नेता संजय टंडन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनके उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर दिए हैं। हालांकि हाईकोर्ट के आर्डर की कॉपी अभी नहीं आई है। अभी वकील साहब ने बताया है कि चुनाव 24 की जगह अब 29 के बाद होंगे।

श्रीलंका दौरे से पहले स्मिथ के चोटिल होने से ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ी

सिडनी (एजेंसी)। श्रीलंका दौरे से ठीम पहले ऑस्ट्रेलिया की परेशानी बढ़ गयी है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि उसके अनुभवी बल्लेबाज अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ चोटिल हो गये है। उनकी कोहनी में चोट लग गई है। इससे ऑस्ट्रेलिया के चोटिल खिलाड़ियों की तादाद बढ़ गयी है। उसके स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन हाल ही में बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलते समय अंगूठे में हुए फ्रैक्चर की सर्जरी से उबर रहे हैं जबकि नियमित कप्तान पैट कमिंस के बाएं टखने में चोट लगी है जिससे वह अभी तक नहीं उबर पाये हैं।

स्मिथ को बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स की ओर से फील्डिंग करते समय दाहिनी कोहनी में चोट लग गई। वहीं कुहनेमन के बारे में सीए ने कहा कि वह तब तक ऑस्ट्रेलिया में रहेंगे जब तक उनके फ्रैक्चर वाले अंगूठे पर सर्जरी का घाव ठीक नहीं हो जाता। सीए ने कहा, अगर वह अच्छी तरह से उबरते हैं तो श्रीलंका दौरे के लिए टीम में शामिल होने इस सप्ताह गेंदबाजी फिर से शुरू करेंगे। कुहनेमन ने 2023 की शुरुआत में भारत दौरे पर तीन टेस्ट खेले थे और पांच विकेट भी लिए थे। उसके बाद वह टीम से बाहर हो गए। श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की दो मैचों की टेस्ट सीरीज 29 जनवरी को गॉल में शुरू होगी, इसके बाद दूसरा मैच 6 फरवरी को उसी स्थान पर शुरू होगा। इसके बाद कोलंबो में 12 और 14 फरवरी को दो वनडे मैच खेले जाएंगे। सीए ने कहा कि कमिंस बाएं टखने की बढ़ी हुई तकलीफ से उबर रहे है। ये उन्हें अधिक गेंदबाजी के बढ़ गई थी। कमिंस ने अपनी टीम की भारत के खिलाफ जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के इरादे से उतरेंगे-रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि टीम पाकिस्तान में अगले महीने होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। हाल के ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के हुई निराशा को पीछे छोड़ते हुए रोहित का लक्ष्य इस टूर्नामेंट को जीतकर अपने आलोचकों को करारा जवाब देना रहेगा। रोहित के अलावा इस टूर्नामेंट के लिए उपकप्तान बने शुभमन गिल का लक्ष्य भी बेहतर प्रदर्शन कर अपने चयन को सही साबित करना होगा। इस टूर्नामेंट में खेलने वाली 8 में से 7 टीमों की घोषणा हो गयी है। केवल मेजबान पाकिस्तान ही अब तक अपनी टीम घोषित नहीं कर पाया है। बीसीसीआई के भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने से मना करने के कारण इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के मुकाबले दुबई में रखे गये हैं। रोहित ने कहा कि भारतीय टीम जल्द ही चैंपियंस ट्रॉफी में अपना अभियान शुरू करेगी और एक और ट्रॉफी जीतने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा, '' हम एक और टूर्नामेंट में जीत के इरादे से उतरेंगे। मुझे भरोसा है कि जब हम दुबई की शुभकामनाएं हमारे साथ होंगी।'' इस टूर्नामेंट में खेलने वाली 8 टीमों को 4-4 के दो समूहों में बांटा गया है। ग्रुप ए में बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड शामिल हैं।

मेजबान पीसीबी अबतक नहीं कर पाया चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम घोषित

लाहौर (एजेंसी)। अगले माह होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अभी तक आठ में से सात टीमें घोषित कर दी गयी हैं। वहीं इसकी मेजबानी कर रहा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अभी तक अपनी टीम घोषित नहीं कर पाया है जबकि इसके लिए आईसीसी की समय सीमा भी समाप्त हो गयी। पीसीबी ने गत वर्ष टी20 विश्वकप के लिए भी अंतिम समय में ही टीम घोषित की थी और इस बार भी वही होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट पाकिस्तान में 19 फरवरी से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है और हर टीम तीन ग्रुप स्टेज मैच खेलेगी और हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

ग्रुप ए में बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में अफगानिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका हैं। इस टूर्नामेंट का पहला मैच 19 फरवरी को कराची में मेजबान टीम पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम के मुकाबले हाइब्रिड मॉडल के आधार पर दुबई में खेले जाएंगे।

आईपीएल 2025 के पहले मैच में सूर्यकुमार करेंगे मुम्बई की कप्तानी

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या प्रतिबंध के कारण आईपीएल 2025 का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। पंड्या पर एक मैच का प्रतिबंध लगा है। ऐसे में पहले मैच में मुम्बई इंडियंस को किसी और खिलाड़ी को कप्तान बनाना होगा।

ऐसे में माना जा रहा है कि आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को इस मैच में कप्तानी की जिम्मेदारी मिलेगी। सूर्या के अलावा अन्य कोई खिलाड़ी बड़ा दावेदार नहीं दिखता।

पंड्या पर ये प्रतिबंध इसलिए लगाया गया है क्योंकि वह पिछले आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कप्तान थे और तब टीम अपना अंतिम मैच लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलत हुए तय समय पर ओवर पूरे नहीं कर पायीं थीं। इस प्रकार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसआई) के नियमों के अनुसार, पंड्या को एक मैच का प्रतिबंध झेलना होगा, चाहे वह किसी नई टीम से भी जुड़ जायें।

मैच में ओवर समय पर पूरा नहीं करने की वजह से पंड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगा था, जबकि अन्य इंपैक्ट खिलाड़ी सहित अंतिम -12 पर 12 लाख या मैच फीस का 50 फीसदी का जुर्माना लगा था। बता दें कि टूर्नामेंट में यह तीसरा मौका था, जबकि पंड्या की कप्तानी वाली टीम समय पर ओवर पूरा नहीं कर सकी थी और उसे धीमी ओवर गति के लिए दंडित किया गया था।

सलामी बल्लेबाजों की जगह तय लेकिन बाकी को बल्लेबाजी क्रम को लेकर लचीला होना होगा-अक्षर

कोलकाता (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले भारत के उपकप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि भारतीय टी20 टीम में सिर्फ सलामी बल्लेबाजों का क्रम ही तय है जबकि बाकी सभी बल्लेबाजों को क्रम को लेकर लचीला रूख अपनाना होगा। भारतीय टीम बुधवार को ईडन गार्डंस पर पहला मैच खेलेगी। बल्लेबाजी क्रम में बार बार बदलाव के बारे में पूछने पर अक्षर ने कहा ,'' यह सिर्फ मेरे बारे में नहीं है बल्कि टीम में सभी पर लागू होता है।''

उन्होंने कहा ,'' 2024 की शुरूआत से हमने तय किया था कि सलामी जोड़ी तय होगी जबकि तीसरे से सातवें नंबर तक सभी को हालात, संयोजन और मैच अप्स के अनुरूप लचीला रहने के लिये कहा गया है।'' अक्षर ने कहा ,'' ऐसा कोई तय क्रम नहीं है कि कोई बल्लेबाजी उसी क्रम पर खेलेगा। तीसरे से सातवें नंबर के बीच सभी के लिये यह लागू होता है। यह अभ्यास सत्र में तय होगा।''

उन्होंने कहा ,'' टी20 क्रिकेट में सही समय पर सही बल्लेबाज का इस्तेमाल करना अहम है।'' उन्होंने कहा ,'' अभी यहां आये एक ही दिन हुआ है। हमने (कप्तान

सूर्यकुमार यादव, मुख्य कोच गौतम गंभीर और खुद अक्षर) बात की है। टीम नेतृत्व दल पर अतिरिक्त जिम्मेदारी है। बहुत कुछ बदला नहीं है। हमारे पास स्थिर टी20 टीम है और ज्यादा दबाव नहीं है।''

अक्षर ने कहा ,'' नेतृत्व दल का हिस्सा बनने पर कड़े फैसले लेने पड़ते हैं। हमने इस पर बात की है। एक दूसरे पर भरोसा रखना और सही राय लेना अहम है। हम यह भी बात करते हैं कि जो हो गया, वो वापिस नहीं आने वाला। अगली श्रृंखला से पहले सकारात्मक सोच के साथ उतरना जरूरी है।'' उन्होंने लंबे समय बाद टीम में लौटे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का स्वागत करते हुए कहा ,'' वह आखिरी बार वनडे विश्व कप 2023 फाइनल खेले थे और रिकवरी के बाद से उन्होंने सैयद मुश्ताक अली और विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया है। सीनियर खिलाड़ी की वापसी से टीम का मनोबल बढता है।

रानी रामपाल को उम्मीद, भविष्य के सितारों को तैयार करेगी महिला हॉकी लीग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान रानी रामपाल का मानना है कि महिला हॉकी इंडिया लीग खेल पर वैसा ही प्रभाव डाल सकती है जैसा कि इंडियन प्रीमियर लीग ने क्रिकेट पर डाला है। रांची में 12 से 26 जनवरी तक होने वाले पहले डब्ल्यूएचआईएल में चार टीमें दिल्ली एसजी पाइपर्स, ओडिशा वॉरियर्स, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स और सूरमा हॉकी क्लब भाग लेंगी। सूरमा क्लब की मेंटर और कोच रानी ने साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) मीडिया से कहा, ''इस बार केवल चार टीमें हो सकती हैं लेकिन लीग शुरू होने में काफी समय लग गया है। इसके लिए हॉकी इंडिया की सराहना की जानी चाहिए।'' भारत की पूर्व हॉकी कप्तान ने कहा, ''पुरुष हॉकी टीम ने तोक्यो और पेरिस में ओलंपिक में कांस्य पदक जीते। इसकी नींव वर्षों पहले पुरुष हॉकी इंडिया लीग ने रख दी थी।'' उन्होंने कहा, ''अब महिला एचआईएल की शुरुआत के लिए धन्यवाद।

नीरज चोपड़ा ने हिमानी संग विवाह रचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण और रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शादी के बंधन में बंध गये हैं। नीरज की शादी एक पारिवारिक समारोह में सोनीपत की हिमानी मोर से हुई है इसमें परिवार और रिश्तेदारों के अलावा करीबी लोग ही शामिल हुए। नीरज ने सोशल मीडिया के जरिये आपनी शादी की तस्वीरें साझा की है। नीरज ने विवाह समारोह की तस्वीरों के साथ लिखा, 'मैंने अपने परिवार के साथ अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरू किया है। साथ ही लिखा है कि हर उस आशीर्वाद के लिए आभारी हूं जिसने हमें इस पल तक पहुंचाया। प्यार से बंधे, हमेशा खुश रहें।

नीरज के विवाह को लेकर चाचा भीम ने बताया कि विवाह देश में ही हुआ और यह जोड़ा हनीमून के लिए विदेश रवाना हो गया है। हिमानी अभी अमेरिका में पढ़ाई कर रही हैं। भीम ने कहा, 'हां, विवाह दो दिन पहले भारत में हुआ। मैं यह नहीं बता सकता कि यह कहां हुआ। लड़की सोनीपत की है और वह अमेरिका में पढ़ाई कर रही है। वे हनीमून के लिए देश से बाहर गए हैं और मुझे नहीं पता कि वे कहां जा रहे हैं। हम निजता बनाये रखना चाहते थे। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस खेलों में रजत पदक जीतने वाले नीरज इससे पहले दक्षिण अफ्रीका में ट्रेनिंग ले रहे थे। नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जबकि पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता था।

शाकिब की मुश्किलें बढ़ीं, चेक बाउंस होने के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन के खिलाफ ढाका की एक अदालत ने चेक बाउंस होने के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी है। शाकिब हालांकि अभी देश से बाहर हैं। पिछले साल शेख हसीना सरकार के खिलाफ हुए छात्र आंदोलन के बाद उनपर हत्या के एक मामले में आरोप लगे थे जिसके बाद से ही शाकिब बांग्लादेश नहीं लौटे हैं। शाकिब हसीना की आवामी लीग से सांसद थे।

इंटरनेशनल फाइनेंस इन्वेस्टमेंट एंड कॉमर्स (आईएफआईसी) बैंक ने शाकिब के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। आईएफआईसी बैंक ने पिछले साल अक्टूबर में चेक बाउंस होने के मामले में कानूनी नोटिस जारी किया था। इसके बाद 24 दिसंबर को क्रिकेटर से व्यवसायी बने शाकिब और

उनकी कंपनी के तीन अन्य अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। उनकी फार्म के दो अधिकारियों ने अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण किया और जमानत की गुहार लगाई जिसे अदालत ने सुनवाई के बाद मंजूर कर लिया। बांग्लादेश की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाकिब ने 2016 में दक्षिण-पश्चिमी सतखीरा में शाकिब अल हसन एग्रो फार्म नाम से एक केकड़ा फार्म स्थापित किया था। कंपनी कथित तौर पर 2021 से निष्क्रिय है।

गौर हो कि बांग्लादेश के अब तक के सबसे महान क्रिकेटर शाकिब ने अपना आखिरी टेस्ट मैच पिछले साल के अंत में कानपुर में भारत के खिलाफ खेला था। दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी बांग्लादेश के लिए उनकी आखिरी उपस्थिति मानी जा रही है। संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के कारण फिलहाल उन्हें क्रिकेट के सभी प्रारूपों में गेंदबाजी करने से प्रतिबंधित किया गया है।

रणजी में सौराष्ट्र की ओर से खेलेंगे जडेजा

राजकोट (एजेंसी)। अनुभवी ऑलरांउडरा रवींद्र जडेजा रणजी ट्रॉफी के 23 जनवरी से शुरु हो रहे सत्र में सौराष्ट्र की ओर से खेलते दिख सकते है। जडेजा जिस प्रकार से राजकोट में टीम के अभ्यास सत्र में शामिल हुए उससे उनके दिल्ली के खिलाफ खेलने की उम्मीदें बढ़ती जा रही हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जडेजा जयदेव उनादकट की कप्तानी वाली टीम सौराष्ट्र के नेट अभ्यास में भी शामिल हुए। जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए अंतिम बार रणजी ट्रॉफी मैच जनवरी 2023 में तमिलनाडु के खिलाफ खेला था और 8 विकेट लिए थे। उन्होंने हाल ही में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पांच में से तीन टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। वह गेंदबाजी और बल्लेबाजी में अपनी भूमिका ठीक से नहीं निभा पाये थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे में बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड

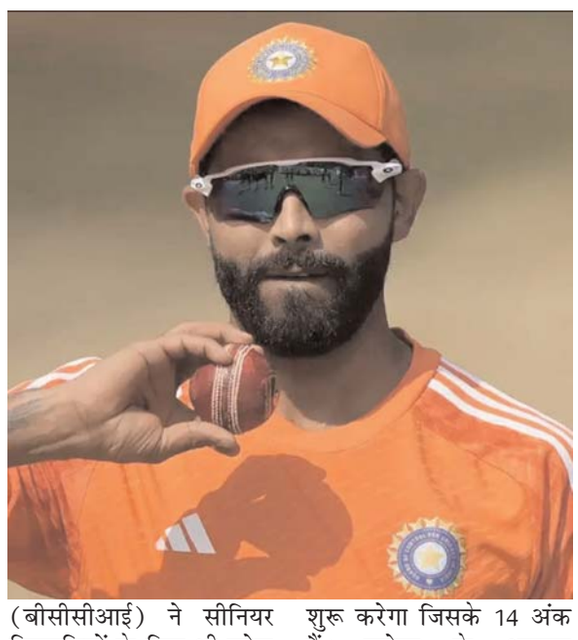

(बीसीसीआई) ने सीनियर खिलाड़ियों के लिए भी घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया था। 11 अंकों के साथ एलीट ग्रुप डी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर काबिज सौराष्ट्र 23 जनवरी को निरंजन शाह स्टेडियम में चौथे स्थान पर बरकरार दिल्ली से खेलने के साथ अपने रणजी ट्रॉफी अभियान को फिर से शुरू करेगा जिसके 14 अंक हैं। जडेजा के अलावा विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत राजकोट में दिल्ली के लिए खेलेंगे जबकि रोहित शर्मा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ मुम्बई की ओर से जम्मू और कश्मीर के खिलाफ उतरेंगे। वहीं शुभमन गिल पंजाब की ओर कर्नाटक के खिलाफ उतरेंगे।

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान बन सकते हैं ऋषभ, पूरन से मिल रही टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीलएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 संस्करण के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी मिलना तय नजर आ रहा है। लखनऊ ने पिछले सत्र में कप्तानी करने वाले केएल राहुल को इस सत्र के लिए शामिल नहीं किया है। राहुल को रिटेन न करने के बाद लखनऊ को एक अच्छे विकेटकीपर बल्लेज की जरुरत थी और उसने ऐसे में ऋषभ को निलामी में सबसे अधिक रकम 27 करोड़ रुपये में खरीदा था हालांकि उन्हें कप्तानी की दौड़ में निकोलस पूरन भी टक्कर दे सकते हैं। निकोलस पूरन भी इस पद के लिए अहम दावेदर माने जा रहे हैं। उन्हें कप्तान बनाए ने की भी खबरें हैं। लखनऊ ने पूरन को सबसे ज्यादा 18 करोड़ रुपये देकर आईपीएल 2025 के लिए रिटेन किया है।

जमीन विवाद में दो भाइयों में खूनी संघर्ष

दोनों पक्षों में चले लाठी-डंडे, 6 लोग घायल

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। अमरपाटन में जमीन बंटवारे को लेकर दो सगे भाइयों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। ग्राम छैरहा में विश्वकर्मा परिवार के राजकुमार और कौशल विश्वकर्मा के बीच पुराना जमीन विवाद है।

रविवार को दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इसमें 6 लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला और एक पुरुष को गंभीर हालत में सतना जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

घायल की पत्नी कुसुमकली विश्वकर्मा ने बताया कि पहले छोटे भाई और उसके बेटे ने उनके छोटे बेटे के साथ मारपीट की। जब बेटे ने पिता को इसकी जानकारी दी, तो वे बातचीत करने पहुंचे, लेकिन देवर और उनके परिवार ने डंडों से हमला कर दिया, जिससे उनके पति की हालत गंभीर हो गई।

थाना प्रभारी केपी त्रिपाठी ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर ली गई है। घायलों को उपचार के लिए भेजने के बाद कार्रवाई की जा रही है।

सतना में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

पुणे से 15 दिन पहले ही आया था, गले और शरीर पर चोट के निशान

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। सतना में 32 वर्षीय युवक की संदिग्ध हालात में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान गणेश प्रताप सिंह के रूप में हुई है, जो पुणे में एक कंपनी में कार्यरत था। वह 15 दिन पहले ही सतना आया था। घटना रविवार की है, जब गणेश शाम 4 बजे अपने घर से किसी काम से निकला था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर उसकी बहन वर्षा सिंह ने कोलगवां थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों की तलाश के दौरान सोमवार दोपहर को गणेश का शव बिरला रोड स्थित संतोषी माता मंदिर के पीछे के मैदान में पाया गया।

मृतक के शरीर पर गले सहित कई जगहों पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। परिजन तुरंत उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी के अनुसार, परिजनों व रिश्तेदारों से पूछताछ कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गणेश वर्तमान में अपने परिवार के साथ सतना के सिद्धार्थ नगर में किराए के मकान में रह रहा था। मूल रूप से वह थाना ताला क्षेत्र के सनेही का निवासी था।

यथोचित कारण के बिना अनावश्यक रूप से लंबित शिकायत पर लगेगा जुर्माना

कलेक्टर ने समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सीएम हेल्पलाइन में लम्बे समय से चली आ रही लंबित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर अनुराग वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन की यथोचित कारण के बिना अनावश्यक रूप से लंबित शिकायतों पर जुर्माना अधिरोपित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी लंबित शिकायतों को स्वयं देखें और निराकृत करें। नियमानुसार नहीं निराकरण हो सकने वाली शिकायतों को विधिवत फोर्स क्लोज कराये। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने यह निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, एसडीएम राहुल सिलाडिया, एलआर जांगडे, जीतेन्द्र वर्मा, आरएन खरे, सुधीर बेक सहित विभाग प्रमुख अधिकारी, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि जिले में एक हजार दिवस से अधिक की 66 शिकायतें और 300 दिवस से ऊपर की 2671 शिकायतें लंबित है। अकेले राजस्व विभाग से संबंधित कुल 66 में से 45 शिकायतें शामिल है। अगली समीक्षा तक इनका निराकरण सुनिश्चित कराये। जिन शिकायतों में नियमानुसार कार्यवाही करनी संभव नहीं हो। ऐसी शिकायत कारण दर्शाते हुए बंद कराये। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि 26 जनवरी तक चलने वाले इस अभियान में 6-7 दिन मिशन मोड में काम करें। बताया गया कि जिले में अभियान के तहत 450 कैम्प लगाये जाने थे। जिनमें से 395 कैम्पों का आयोजन किया जा चुका है। कलेक्टर ने कैम्पवार प्राप्त आवेदनों की समीक्षा में कहा कि कैम्पों में आवेदनों की संख्या बढाये। प्रति कैम्प में कम से कम 100 की संख्या में आवेदन प्राप्त होने चाहिए। शिविरों में प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकृत कर पोर्टल पर एन्ट्री भी कराये।

जल निगम के अधिकारियों ने बताया कि बाणसागर समूह फेज-1 परियोजना में रामनगर के 185 गांवों में पेयजल आपूर्ति हो रही थी। बडा इटमा के पास बृहद परिधि के पाइप के क्षतिग्रस्त और लीकेज होने से पेयजल आपूर्ति प्रभावित है। बाणसागर परियोजना-2 के अंतर्गत परियोजना कार्य दिसम्बर 2025 तक पूरे कर लिये जायेंगे। धान खरीदी की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी के अंतिम दिनों में राजस्व और संबंधित विभागीय अमला विजिलेन्ट रहे। नोडल अधिकारी और संबंधित अधिकारी निरंतर भ्रमण कर धान खरीदी केन्द्रों की निगरानी बनाये रखें।

पति-पत्नी ने की आत्महत्या, महिला ने मायके में लगाई फांसी, युवक ने ट्रेन से कटकर दी जान

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां पति-पत्नी ने फोन पर हुए विवाद के बाद अलग-अलग स्थानों पर आत्महत्या कर ली। शहर कोतवाली क्षेत्र के लौड़िहाखुर्द निवासी जानकी ने अपने मायके भरतकूप थाना क्षेत्र के पतौड़ा गांव में फांसी लगाकर जान दे दी। जब उसके पति शिवलाल को इस घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने भी रेलवे ट्रैक पर जाकर ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली।

फोन पर दोनों में हुआ था विवाद: अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी के अनुसार, सबसे पहले जानकी के सुसाइड की सूचना कोतवाली पुलिस को मिली। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही थी, तभी शिवलाल के रेलवे ट्रैक पर मिले शव की सूचना आई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रात में पति-पत्नी के बीच फोन पर किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद जानकी ने यह कदम उठाया।

इस दोहरी त्रासदी से दोनों परिवारों में शोक की लहर है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आत्महत्या के पीछे के सटीक कारणों का पता लगाने में जुटी है। यह घटना वैवाहिक जीवन में संवाद की कमी और मानसिक तनाव के गंभीर परिणामों को दर्शाती है।

50 रुपए के लिए शराबी ने निकाला चाकू

पंचर दुकान के मालिक पर किया हमला, आरोपी का हाथ पकड़ खुद को बचाया, 4 पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्य प्रदेश के सतना में 50 रुपए के विवाद को लेकर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। सिंधी कैंप कॉलोनी स्थित पुरसवानी दाल मिल के पास रविवार शाम को हुई इस घटना का वीडियो रात में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसके बाद पुलिस ने चार लोगों पर मामला दर्ज कर लिया है।

50 रुपए की मांगने पर शुरू हुआ विवाद: भजनलाल चौधरी की पंचर की दुकान पर आरोपी अमन बसोर, विक्की बसोर, राजू और कीटाणु बसोर साइकिल का पंचर बनवाने आए थे। पंचर बनाने के बाद जब दुकानदार ने 50 रुपए मांगे, तो नशे में धुत अमन बसोर ने न केवल पैसे देने से मना कर दिया, बल्कि गाली-गलौज भी शुरू कर दी। जब भजनलाल ने दोबारा पैसों की मांग की, तो आरोपी ने हमला करने के लिए चाकू निकाल लिया।

आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज: जिसके बाद भजनलाल ने आरोपी का हाथ पकड़ लिया। शोर सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। साथ ही कोलगवां थाना पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही सभी आरोपी भाग चुके थे। भजनलाल ने बताया कि शिकायत दर्ज कराने के बाद आरोपी रविवार रात में फिर से धमकाने पहुंचे थे। वहीं थाना प्रभारी सुदीप सोनी ने बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पुस्तैनी आवास का मालिकाना हक मिलने पर खुश है: रामकरण चतुर्वेदी

पीएम और सीएम को दिया धन्यवाद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वामित्व योजना के अन्तर्गत गांव में स्थित भूमि और मकान के मालिकाना हक के पत्र मिलने से हितग्राही काफी प्रसन्न हैं। योजना से लाभांवित हितग्राहियों में शामिल जनपद पंचायत सोहावल अंतर्गत ग्राम कुंआ निवासी रामकरण चतुर्वेदी ने बताया कि गांव में उनका पुस्तैनी आवास है। जिसमें वह निवास तो कर रहे लेकिन निवास का कोई भी मालिकाना हक का प्रमाण उनके पास नहीं था। इसलिए वह कानूनी रूप से किसी बैंक अथवा संस्था को अपनी सम्पत्ति बताकर ऋण नहीं प्राप्त कर पा रहे थे। उन्होंने इस दौरान अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जमीन का मालिकाना हक मिलने से अब वे बैंक से लोन भी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा दूसरे काम जो सम्पत्ति से सम्बन्धित हैं वे भी आसानी से किये जा सकेंगे।

अब वे अपनी कई आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकते हैं। इसके लिये रामकरण चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हदय से धन्यवाद दिया है।

श्रीमद्भागवत कथा में उमड़ा जन सैलाब

श्री कृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग से भक्तिमय हुआ माहौल, पंडाल में भक्तों की भीड़

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट के बिहारा स्थित रामसैया में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन भक्तों का अपार जनसमूह उमड़ पड़ा। कथा व्यास आचार्य विकास शुक्ला ने श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के विवाह प्रसंग का वर्णन किया, जिससे पूरा पंडाल भक्तिमय हो उठा।

आचार्य विकास ने विदर्भराज की पुत्री रुक्मिणी के हरण और विवाह की कथा सुनाते हुए बताया कि रुक्मिणी स्वयं लक्ष्मी का स्वरूप हैं और उनका नारायण से मिलन अटल सत्य है। इस दौरान मंच पर श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं में लीन नजर आए

कथा व्यास आचार्य गंगाधर ने जीवात्मा और परमात्मा के मिलन को महारास का सार बताते हुए गहरी आध्यात्मिक शिक्षा दी। उन्होंने कहा कि जब तक मनुष्य के मन से अहंकार समाप्त नहीं होता, तब तक वह भगवान की निकटता प्राप्त नहीं कर सकता।

भागवत कथा समिति के सदस्यों के अथक प्रयासों से यह आयोजन सफल रहा। श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण के साथ जीवन में आध्यात्मिक मार्ग अपनाने का संकल्प भी लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान पंडाल में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं में लीन नजर आए।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर आयोजन

कामदगिरि पर्वत पर होगी भव्य परिक्रमा, 75 कुंटल का महाभंडारा

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर 22 जनवरी 2025 को एक ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। कामदगिरि पर्वत पर होने वाले इस भव्य कार्यक्रम में पंचकोसी परिक्रमा और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की विशेषता यह है कि इसमें भगवान राम, लक्ष्मण और माता जानकी की भव्य झांकी हाथी-घोड़ों के साथ निकाली जाएगी। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए 50 कुंटल बूंदी और वन्य जीवों के लिए 25 कुंटल गुलगुले का विशेष प्रबंध किया गया है।

कामदगिरि पर्वत के महत्व के बारे में विपिन विराट महाराज ने बताया कि यह पर्वत लगभग डेढ़ अरब वर्ष पुराना है। भगवान राम ने अपने 14 वर्ष के वनवास में से 11 वर्ष, 11 महीने और 11 दिन यहीं बिताए थे। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधार्थियों ने भी इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व की पुष्टि की है।

यह स्थान सनातन धर्म की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सतयुग में ब्रह्मा, विष्णु, महेश, त्रेता युग में राम-सीता और द्वापर युग में भगवान कृष्ण ने यहां आकर इस स्थल की पवित्रता को स्वीकारा है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 को जिला पंचायत के सभागार में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं को जागरूक करने एवं प्रजातंत्र में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विधानसभा स्तर एवं मतदान केन्द्र स्तर पर 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन 25 जनवरी 2025 को दोपहर 11 बजे जिला पंचायत सतना के सभागार में आयोजित कर नये मतदाताओं को ईपिक कार्ड का वितरण किया जायेगा।

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखडे द्वारा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सतना विधानसभा को निर्देशित किया है कि 10 नवीन युवा मतेदाताओं के नाम एवं ईपिक कार्ड कार्यालय को 23 जनवरी तक उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही 10 नवीन युवा मतदाताओं को संबंधित बीएलओ के माध्यम से सूचित करें, कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को प्रातः 11 बजे जिला पंचायत के सभागार में उपस्थित होकर अपना वोटर आईडी प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

प्रिज़्म जानॅसन लिमिटेड में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मनकहरी स्थित प्रिज़्म सीमेंट कारखाना, माइंस एवं कालोनी में सड़क सुरक्षा सप्ताह 11 से 17 जनवरी 2025 तक बड़े उत्साह एवं तन्मयता से मनाया गया । उपरोक्त जानकारी देते हुये ए.जी.एम. सीएसआर एवं जनसंपर्क देवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 11 जनवरी को कारखाना स्थित मुख्य द्वार के सामने सड़क सुरक्षा के ऊपर गेट मीटिंग के साथ प्रारंभ हई। कार्यक्रम का शुभारंभ मनीष कुमार सिंह (प्रेसीडेन्ट एंड प्लांट हेड), दिनेश कुमार (सीनियर वाइस प्रेसीडेन्ट-टेक्निकल हेड, यूनिट-1), प्रवीण श्रीवास्तव (सीनियर वाइस प्रेसीडेन्ट-टेक्निकल हेड, यूनिट-2) की उपस्थिति में किया गया जिसमें सभी उपस्थित कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई एवं सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाने के कारण के बारे में विस्तृत रुप से उपस्थित कर्मचारियों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि सड़क सुरक्षा के सभी नियमों का आवश्यक रुप से पालन करें तथा कारखाने के अंदर अथवा बाहर गति नियंमों पर विशेष ध्यान देने के लिए निवेदन किया गया ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। साथ ही अपने और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकें। जिससे देश की अर्थव्यवस्था एवं समाजिक परिवेश को मजबूत रखने में देश की सहायता हो सके।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम प्रिज़्म जानॅसन लिमिटेड में संबंधित जगहों पर आयोजित किये गये जैसे कि डिस्पैच गेट, ट्रक यार्ड, पैकिंग प्लांट, सेंट्रल व्हीकल पार्किंग, रॉ मटेरियल हैन्डलिंग, माइंस इत्यादि। जिसके अन्तर्गत कम्पनी कर्मचारियों, ट्रक चालको और परिचालकों को रक्षात्मक ड्राइविंग का प्रशिक्षण दिया गया। कारखाना के अन्दर चलने वाले व बाहर से आने वाली गाड़ियों की जांच कारखाने के ट्राफिक टीम द्वारा कराया गया। इस अवसर पर विपिन कुमार, उप महाप्रबंधक (सेफ्टी) ने प्रिज़्म परिवार के सभी सदस्यों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनायें दी तथा सड़क सुरक्षा सप्ताह को सफल बनाने पर सभी को धन्यवाद दिया।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रीवा उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं का बन रहा है केंद्र

लीडलैस पेसमेकर का सफलतापूर्वक किया गया इंप्लांट

उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सकीय टीम को दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरकार की प्राथमिकता है कि दूरस्थ इलाकों में रहने वाले लोगों को भी बड़े शहरों जैसी उन्नत चिकित्सा सुविधाएं मिलें।उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा है कि रीवा का सुपर स्पेशलिटी अस्पताल न केवल विंध्य क्षेत्र, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र बन रहा है। अस्पताल की चिकित्सकीय टीम ने यह साबित कर दिया है कि अब ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में भी जटिलतम चिकित्सा प्रक्रियाएं संभव हैं। लीडलैस पेसमेकर जैसे अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग हृदय रोगियों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है, और यह प्रक्रिया प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में नई ऊंचाइयां स्थापित करने का प्रतीक है।

रीवा स्थित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। सतना जिले की 62 वर्षीय महिला मरीज को, जो पूर्ण हृदय अवरोध (हृदय की धड़कन 30) से पीड़ित थीं, अत्याधुनिक लीडलैस पेसमेकर का सफलतापूर्वक इंप्लांट कर नई जिंदगी प्रदान की गई। यह प्रक्रिया विश्वभर में हृदय रोगियों के लिए सबसे जटिल मानी जाती है और इसे सफलतापूर्वक संपन्न करना सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, रीवा के लिए गौरव का विषय है। रीवा के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में यह प्रक्रिया डॉ. एस.के. त्रिपाठी और उनकी टीम ने तीन घंटे के कठिन ऑपरेशन के बाद सफलतापूर्वक पूरी की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए टीम को बधाई दी और उनकी मेहनत और प्रतिबद्धता की सराहना की।

लीडलैस पेसमेकर उन मरीजों के लिए उपयोगी, जिनके लिए पारंपरिक पेसमेकर नहीं हैं प्रभावी: लीडलैस पेसमेकर आधुनिक चिकित्सा तकनीक का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह एक अत्यंत सूक्ष्म डिवाइस है, जिसका आकार एक कैप्सूल जितना होता है। इसे सीधे हृदय में प्रत्यारोपित किया जाता है, जिससे पारंपरिक पेसमेकर की तुलना में यह ज्यादा प्रभावी और सुरक्षित साबित होती है। इसमें कोई वायर (लीड) नहीं होती, जिससे संक्रमण का खतरा कम हो जाता है। साथ ही, इसके इंप्लांट के बाद मरीज को कम परेशानी और अधिक लंबे समय तक राहत मिलती है। यह तकनीक विशेष रूप से उन मरीजों के लिए उपयोगी है, जिनके लिए पारंपरिक पेसमेकर प्रभावी नहीं होते।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।